RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:285 ता. 09 मई 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में एनसीपी का चेहरा, एमवीए में स्वीकार; क्यों बेटी को ही कमान देना चाहते हैं शरद पवार

खास बात है कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता की कोशिशें जारी हैं। ऐसे में माना जाता है कि सीनियर पवार की भूमिका काफी अहम हो जाती है।

मुंबई। सीनियर लीडर शरद पवार की बेटी और बारामती सांसद सुप्रिया सुले एनसीपी की कमान संभालने से इनकार कर रही हैं। पिता पवार ने यह दावा किया है। हालांकि, पवार यह संकेत भी दे रहे हैं कि भविष्य में सुले को ही पार्टी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। खास बात है कि वरिष्ठ नेता के इस्तीफे के ऐलान से महाराष्ट्र की राजनीति में उठा पटक तेज हो गई थी। उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं चल रहीं थीं। माना जा रहा था कि इस रेस में सुले के नाम काफी आगे था।

पहले दावेदार समझें-सीनियर पवार ने इस्तीफे का ऐलान ऐसे समय पर किया था, जब उनके भतीजे अजित पवार और भारतीय जनता पार्टी के बीच तालमेल की अटकलें थीं। अब अजित को एनसीपी में दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष के पद को लेकर उनकी दावेदारी काफी मजबूत थी। परिवार के सदस्य सुले और अजित के अलावा जयंत पाटिल और प्रफुल्ल पटेल जैसे बड़े नेता भी दौड़ में शामिल नजर आ रहे थे। हालांकि, पटेल ने इस रेस में शामिल होने से इनकार कर दिया था।

सुप्रिया की दावेदारी मजबूत क्यों

अगर पवार परिवार की बात करें, तो अजित के मुकाबले सुप्रिया की दावेदारी ज्यादा मजबूत नजर आती है। एक मीडिया रिपोर्ट में सीनियर पवार के करीबी और पूर्व मंत्री के हवाले से बताया गया, उनका बड़ी चिंता पार्टी को एकजुट रखने की थी और ऐसे में वह कभी भी अजित को नेतृत्व नहीं सौपेंगे, क्योंकि वह जानते हैं कि इससे वरिष्ठ नेता अस्थिर हो जाएंगे।

उन्होंने कहा, जो मंत्री तीन दशकों से पवार के साथ काम कर रहे हैं, उन्होंने हमेशा अजित पर नियंत्रण के लिए सुले को बिंदु बनाया है।

पूर्व मंत्री के अनुसार, सुप्रिया को नए पार्टी अध्यक्ष और अगर एनसीपी उस स्थिति में रही तो सीएम पद के लिए भी आगे बढ़ाया जा सकता है। कहा जाता है कि महाविकास अघाड़ी में अजित के विपरीत शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस में सुप्रिया को ज्यादा स्वीकार करते हैं। कहा जाता है कि अजित से मोहभंग की वजह भाजपा की प्रति उनका झुकाव है।

एनसीपी के बाहर भी जरूरी

खास बात है कि भाजपा के खिलाफ 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता की कोशिशें जारी हैं। ऐसे में माना जाता है कि सीनियर पवार की भूमिका काफी अहम हो जाती है। अब विपक्षी दलों को जोड़ने से पहले उनका अपने ही घर को एकजुट रखना जरूरी है। इसके अलावा पुरस्कार विजेता सांसद सुप्रिया दिल्ली में एनसीपी का चेहरा हैं।

देश भर में प्रधानमंत्री की सभा में बेगूसराय से पहुंच जाते हैं नमो के हनुमान

बेगूसराय। धर्म प्रधान भारत में सदियों से भक्त और भगवान की बातें होती रही है। सबके अपने-अपने आराध्य हैं तथा उनको मनाने के अपने-अपने तौर-तरीके हैं। सोमवार को कर्नाटक चुनाव को लेकर हनुमान की चर्चा हर ओर हो रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव के अपने घोषणापत्र में बजरंग दल को बैन करने की बात कही है। भाजपा सहित सनातन धर्म के तमाम अनुयायी इसका जोरदार विरोध कर रहे हैं। ऐसे में नमो (नरेन्द्र मोदी) का हनुमान बिहार के बेगूसराय से कर्नाटक पहुंच गया और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र बना रहा। कर्नाटक पहुंचा वह हनुमान है बेगूसराय का पनहांस निवासी श्रवण कुमार साह तथा उसके आराध्य हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। खुद को राम रूपी नमो का हनुमान कहने वाले श्रवण 2015 से अब तक 117 सभा में प्रधानमंत्री का दीदार कर चुके हैं। देश में जहां कहीं भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभा की जानकारी श्रवण को मिलती है। वह खुद को हनुमान बना वहां पहुंच जाते हैं। हनुमान का वेश धारण कर, हाथ में नमो-नमो लिखा गदा, सिर पर कमल आकार के थर्माकोल पर स्वच्छता संदेश लिखा मुकुट तथा पेट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फोटो लगाए श्रवण अभी कर्नाटक में मोदी की दो सभा और दो रोड शो में शामिल हुए। बेगूसराय कोर्ट में अधिवक्ता लिपिक का काम कर रहे श्रवण किसी भी सभा में यात्रा व्यय के लिए लोगों से मदद नहीं लेते हैं। एक सभा में जाने पर पांच से सात हजार रुपये खर्च होता है। लेकिन स्वाभिमान ऐसा कि मदद की चाह नहीं। हालांकि, अब सभा में जाने पर उन्हें रहने के लिए होटल का पेमेंट नहीं करना पड़ता है। 60 वीं सभा के बाद भाजपा के राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा द्वारा सभी व्यवस्था करवा दी जाती है। नमो के हनुमान बनने की इनकी कहानी भी अजीब है। आठ अक्टूबर 2015 को बेगूसराय के उलाव हवाई अड्डा पर प्रधानमंत्री की जनसभा होनी थी।

केरल में तुवाल समुद्र तट पर नौका डूबी, 22 की मौत, इनमें नौ बच्चे

तिरुवनंतपुरम। केरल के मलप्पुरम जिले के तनूर क्षेत्र में ओट्टुम्पुरम के पास रविवार शाम तुवाल समुद्र तट पर एक नौका डूब गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में नौ बच्चे भी हैं। इस नौका में कितने लोग सवार थे, यह साफ नहीं हो सका है। मगर 39 टिकट बेचे गए थे। यह जानकारी पुलिस ने दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक संवेदना जारी करते हुए पीएम राहत फंड से मृतकों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। केरल के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी नौका दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। पुलिस ने बताया कि नौ यात्रियों को नजदीकी निजी और सरकारी अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इनका इलाज चल रहा है। इनमें चार की हालत नाजुक है। बचाव अभियान जारी है। तनूर निवासी नौका मालिक नासिर फरार है। उसके खिलाफ हत्या के आरोप का मामला दर्ज किया गया है। यह नौका पूरी

तरह यात्रा के अनुकूल नहीं थी। मछली पकड़ने की नाव को परिवर्तित कर पर्यटन के लिए इस्तेमाल किया गया। इस हादसे पर केरल सरकार ने एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। केरल के मंत्री वी अब्दुर्रहमान ने कहा है कि यह हादसा शाम करीब सात बजे हुआ। डूबी हुई नौका को तट पर ले आया गया है। बाकी लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि सोमवार को राजकीय शोक रहेगा। मुख्यमंत्री विजयन ने पीड़ितों के सम्मान में सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। वह आज तुवाल समुद्र तट का दौरा करें।

अमृतसर में 2 दिन में दूसरा धमाका, गोल्डन टेंपल के पास हेरिटेज स्ट्रीट पर सुबह 6 बजे ब्लास्ट

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पास विरासती मार्ग पर 32 घंटों के बाद दोबारा से धमाका हो गया है। सुबह का समय होने के कारण कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। यह ब्लास्ट उसी जगह के पास हुआ, जहां शनिवार देर रात घटना घटी थी। अभी तक पुलिस पहले हुए ब्लास्ट के कारण का पता नहीं लगा पाई है और इसी बीच अब दोबारा से ब्लास्ट हो गया। इस मामले में पुलिस अभी चुप्पी साधे हुए है। सुबह ब्लास्ट की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर नौनिहाल सिंह खुद मौके पर पहुंच गए। उनके साथ डिटेक्टिव ष्ठष्टक्क और ष्टक्क गुरिंदरपाल सिंह नागरा भी मौजूद हैं। घटना के बाद अमृतसर पुलिस का बम रोधक दस्ता और फोरेंसिक विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंच गई। मेटल डिटेक्टर से आसपास का एरिया खंगाला जा रहा है। सीवरेज लाइनें व गटर की भी जांच की जा रही है।

फोरेंसिक विभाग की टीमें भी जांच में जुटी-बीआर अंबेडकर की प्रतिमा से महाराजा रणजीत सिंह बुत वाले चौक तक एक तरफा रास्ता बंद कर दिया गया है। संदिग्ध चीजों को एकत्रित किया जा रहा है। पुलिस अभी भी इस मामले में कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं है। 32 घंटों में दूसरा ब्लास्ट और इसके कारणों का ना पता लगने से चिंता बढ़ रही है।

शनिवार को हुए धमाके में 6 श्रद्धालु घायल-इससे पहले शनिवार देर रात करीब 12 बजे हेरिटेज स्ट्रीट पर धमाका हुआ था। इस धमाके से सारागढ़ी पार्किंग में खिड़कियों पर लगा कांच टूटने से 5 से 6 श्रद्धालु घायल हो गए थे। डीसीपी परमिंदर सिंह भंडाल ने कहा कि फोरेंसिक टीम को स्पॉट से संदिग्ध कुछ 3-4 पीस मिले हैं। जिसे जांच के लिए भेज दिया गया है।

पहले चिमनी का ब्लास्ट समझ रही थी पुलिस

इस हादसे को पुलिस पहले पास के रेस्टोरेंट में चिमनी के ब्लास्ट को कारण बता रही थी, लेकिन जब सुबह जांच शुरू हुई तो पुलिस के तथ्य बदल गए। डीसीपी लॉ एंड ऑर्डर परमिंदर सिंह भंडाल ने बताया कि यह हादसा चिमनी के ब्लास्ट से नहीं हुआ था। कुछ संदिग्ध चीजें मिली, जिन्हें फोरेंसिक विभाग की टीमों ने कब्जे में लिया है।

चार दिन काम, तीन दिन आराम वाला कानून कब होगा लागू?

नई दिल्ली। भारत के रोजगार परिदृश्य में व्यापक बदलाव लाने के उद्देश्य से वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा पारित चारों श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन फिलहाल ठप पड़ा है। मामले के जानकार लोगों का कहना है कि 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले इनके लागू होने की संभावना नहीं है। इन चार संहिताओं ने कुल मिलाकर 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का एक मिला-जुला संस्करण तैयार किया है। इनमें शामिल हैं वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति संहिता, 2020; और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020। इन चारों संहिताओं की समान रूप से प्रशंसा और आलोचना दोनों की गई है। ये श्रम संहिताएं मोदी सरकार द्वारा किए गए सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों में से एक हैं। आलोचक उन्हें विवादास्पद और श्रमिक विरोधी के रूप में देखते हैं, जबकि मुक्त श्रम नीतियों की मांग करने वालों का कहना है कि ये संहिताएं विकास और रोजगार को बढ़ावा देंगी और तेजी से बदलती

अर्थव्यवस्था के साथ पुराने कानूनों को समाप्त करेंगी। इनमें जो प्रमुख बदलाव किए गए हैं उनमें सरकार की मंजूरी के बिना श्रमिकों को निकालना, यूनियन द्वारा हड़ताल की घोषणा, महिलाओं को रात की पाली में काम करने की इजाजत जैसे प्रमुख नियम शामिल हैं।

बेटे के हाथ मे दी बंदूक और बताया किसे-किसे मारनी है गोली, मुरैना में 6 की जान लेने वाली पुष्पा गिरफ्तार

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक जमीन विवाद में हुए हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। मुरैना के लेपा गांव में एक परिवार के 6 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्याकांड की मास्टरमाइंड बताई जा रही महिला पुष्पा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। घटना के बाद सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि पुष्पा हाथ में बंदूक लिए बेटे को बताती है कि किस किस को गोली मारनी है। पुलिस ने इस मामले में 9 लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से दो को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने सभी आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित

किया था। जो आरोपी गिरफ्त में नहीं आए हैं उन पर इनामी राशि बढ़ाने की तैयारी है। एडिशनल एसपी राय सिंह नरवरिया ने बताया कि आरोपी महिला पुष्पा को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य की तलाश की जा रही है। 2013 में एक जमीन के टुकड़े को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। पुष्पा के परिवार के दो लोगों की हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप गजेंद्र सिंह के परिवार पर लगा था। इसके बाद गजेंद्र सिंह के परिवार ने गांव छोड़ दिया और सभी अहमदाबाद में रहने लगे थे। अब दोनों पक्षों में समझौते के बाद गजेंद्र सिंह का परिवार 10 साल बाद गांव लौटा था। गांव आते ही पुष्पा ने अपने बेटे और अन्य लोगों के साथ हमला कर दिया। इसमें गजेंद्र सिंह (55), संजू (40), सत्यप्रकाश (35), लेस कुमारी (46), बबली तोमर (उम्र ज्ञात नहीं) और मधु कुमारी (36) की जान चली गई थी। हमले में अपने पति, दो बेटों और तीन बहुओ को खोने वाली कुसुमा तोमर ने पत्रकारों को बताया कि उनके परिवार का आरोपियों से 2013 में सरकारी जमीन के एक टुकड़े को लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने कहा कि आरोपियों के परिवार के दो लोगों की तब हत्या कर दी गई थी। हत्याओं से हमारा कोई लेना देना नहीं था लेकिन हमारे परिवार के सदस्यों के नाम इस मामले में घसीटे गए थे। उन्होंने कहा, बाद में जेल में उनके और हमारे परिवार के बीच एक समझौता हुआ। हमने उन्हें मुआवजे के तौर पर छह लाख रुपये दिए और अपनी जमीन उनके नाम पर स्थानांतरित कर दी। उन्होंने कहा कि शुक्रवार की सुबह जब वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दस साल बाद अहमदाबाद से गांव लौटी तो आरोपी उनका इंतजार कर रहे थे।

मणिपुर के हालात बदतर, अपने लोगों को निकालने में जुटे राज्य; आसमान छू रहा फ्लाइट का किराया

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की वजह से 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के हालात देखकर दूसरे राज्य अपने लोगों को निकालने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ने तो स्पेशल फ्लाइट का भी इंतजाम किया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेशष हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड की सरकारें भी राज्य के लोगों को वापस बुलाने के लिए हर प्रबंध कर रही हैं। राजस्थान सरकार इंडिगो से इस बात को लेकर चर्चा कर रही है कि कैसे 125 राजस्थानियों को वापस लाया जाए। इसमें से ज्यादातर स्टूडेंट हैं जो कि पढ़ाई के लिए इंफाल गए थे।

हिंसा प्रभावित राज्य से उसके पड़ोसी राज्य भी अपने लोगों को निकाल रहे हैं। असम, मेघालय और त्रिपुरा ने लोगों को निकालने के लिए बसें चलाईं। बताया गया कि रविवार तक इंफाल में पढ़ने आए दूसरे राज्यों के 240 स्टूडेंट्स को निकाल लिया गया था। अगले कुछ दिनों तक इंफाल से दूसरे राज्यों को जाने वाली फ्लाइट पूरी तरह बुक हो चुकी हैं। वहीं किराया भी आसमान चढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक इन दिनों इंफाल से कोलकाता तक की फ्लाइट का किराया 22

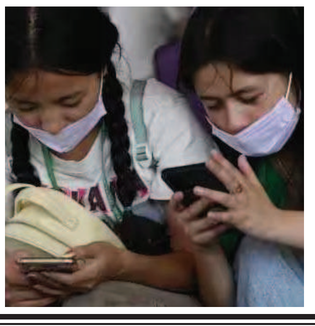

हजार से 30 हजार रुपये है। मणिपुर में महाराष्ट्र के 22 स्टूडेंट्स की जानकारी है। सरकार का प्लान है कि पहले उन्हें एयरलिफ्ट करके असम लाया जाए और फिर वहां से महाराष्ट्र लाया जाए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय की तरफ से बताया गया कि इंफाल में 14 स्टूडेंट्स को शिवसेना के कार्यलाय में शिफ्ट कर दिया गया है। मणिपुर में फंसे स्टूडेंट में से लखनऊ के रहने वाले एक स्टूडेंट ने कहा, हमें ठीक से खाना और पानी भी नहीं मिलरहा है। वह इंफाल एनआईटी में बीटेक करने के लिए गए थे। इस कैंपस में यूपी के कम से कम 200 छात्र हैं।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मणिपुर से छात्रों को निकालने के निर्देश दिए हैं। वहीं यूपी के प्रधान सचिव संजय प्रसाद ने कहा है कि मणिपुर में यूपी के छात्रों की लिस्ट तैयार की गई है और जो लोग वहां से निकलना चाहते हैं, उनके लिए पूरा इंतजाम किया जाएगा। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अधिकारियों से अपने राज्य के स्टूडेंट्स को वापस लाने को कहा है। मणिपुर में आंध्र प्रदेश के 150 छात्र हैं जिनके लिए स्पेशल फ्लाइ की व्यवस्था की गई है।

अब तक 2000 को निकाला गया

बीते तीन दिनों में लगभग 2 हजार लोगों को असम शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं कछार जिले के अधिकारियों के मुताबिक 300 लोग मिजोरम चले गए हैं। शिफ्ट होने वालों में बड़ी संख्या में बूढ़े और बच्चे भी हैं। वहीं मणिपुर के एक विधायक ने कहा कि अब हालात ठीक हो रहे हैं। भारतीय सेना और पुलिस स्थिति को संभालने में लगी है। जो लोग अपना घर छोड़कर भागे हैं जल्द ही वे

तूफान मोचा के कारण 8 से 12 मई के बीच तेज बारिश और तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली। पूरे देश में इनदिनों मौसम लगातार करवट बदल रहा है। कहीं बारिश कहीं आंधी तूफान का दौर चल रहा है। उत्तर भारत में जहां एक और बारिश का दौर थमता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर तापमान में वृद्धि होने लगी है। मौसम विभाग ने कई हिस्सों में 8 मई से 12 मई तक चक्रवाती तूफान के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। शनिवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में एक चक्रवात बना, इस मौसम वैज्ञानिक अगले सप्ताह संभावित गंभीर चक्रवाती तूफान मोचा के विकास के पहले चरण के रूप में देख रहे हैं। मौसम विभाग ने 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में खराब मौसम के लिए मछुआरों को चेतावनी दी है। आईएमडी ने यह भी सुझाव दिया है कि 8 से 12 मई के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास पर्यटन और अपतटीय गतिविधियों और शिपिंग को नियंत्रित किया जाए। आईएमडी ने अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में आंधी, बिजली, तेज हवाओं के साथ बारिश या बर्फबारी की संभावना जाहिर की है। साथ ही हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ओलावृष्टि की संभावना है। देश के दक्षिणी हिस्से में कई राज्यों में बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में बारिश होने की संभावना है। 5 दिनों के दौरान केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक में गरज, बिजली, के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। 10 और 11 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अत्यधिक भारी बारिश के साथ 8-12 मई के दौरान मध्य भारत और 8, 9 और 12 मई 2023 को बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 8 से 9 मई के दौरान इसी तरह की स्थिति कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में रहेगी।

गुजरात के वलसाड जिले में भाजपा पदाधिकारी की गोली मारकर हत्या

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले में वापी नगर के निकट एक मंदिर से अपनी पत्नी के लौटने का इंतजार कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय पदाधिकारी की सोमवार को सुबह कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। डुंगरा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार हमलावर कोचरवा गांव में शैलेश पटेल की कार के पास आए और उन्हें तीन या चार गोलियां मारीं जिससे उसकी मौत हो गई। वापी तालुका की भाजपा इकाई के अध्यक्ष सुरेश पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया। शैलेश, वापी तालुका की भाजपा इकाई के उपाध्यक्ष थे। सुरेश पटेल ने कहा कि शैलेश अपनी पत्नी के साथ मंदिर में पूजा करने गए थे। पूजा करने के बाद वह बाहर आये और अपनी कार में पत्नी का इंतजार करने लगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि चार हमलावर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई। उन्होंने बताया कि जब मंदिर में पूजा कर रहे पटेल की पत्नी शोर सुनकर मौके पर पहुंचीं तो उन्होंने अपने पति को खून से लथपथ पाया। उन्होंने लोगों से मदद मांगी। अधिकारी ने बताया कि पटेल को वापी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय भाजपा नेताओं ने घटना पर शोक व्यक्त किया और इसकी जांच की मांग की। पुलिस ने बताया कि वह इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल इलाके में कुछ सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया है और हमलावरों की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है।

सुकमा में डीआरजी जवानों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। भेजाई थाना क्षेत्र के दंतेशपुरम जंगल में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। जवान अब भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और जंगल में तलाशी अभियान जारी है। सुकमा पुलिस ने एक बयान में कहा कि भेजी इलाके में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों के अनुसार 8 लाख रुपये के इनामी एसओएस कमांडर मडकम एरा गोलापल्ली और 3 लाख रुपये के इनामी नक्सली नेता एरा की पत्नी पोडियम भीम को जवानों ने मार गिराया। सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर मुठभेड़ स्थल से हथियार, भारी मात्रा में आईईडी और स्वचालित हथियारों सहित अन्य सामग्री बरामद की है, लेकिन इस पर एक आधिकारिक बयान का इंतजार है। नक्सली अरनपुर जैसे हमले को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन उनकी कोशिश नाकाम कर दी गई। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में बस्तर के दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर के पास कच्ची सड़क पर माओवादियों ने एक शक्तिशाली आईईडी विस्फोट किया था और घायल जवानों पर गोलीबारी की थी, जिसमें जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के कम से कम 10 कर्मियों और उनके नागरिक चालक की मौत हो गई थी। जब धमाका हुआ, तब करीब 200 जवान एक काफिले में लौट रहे थे और पुलिस का मानना है कि 50 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था।

मुरैना हत्याकांड की मास्टरमाइंड महिला को पुलिस ने पकड़ा, गोली मारने वाले युवक से है ये रिश्ता

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत किए जाने के मामले में पुलिस ने छानबीन कर इस घटना की मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुतिबाक इस घटना को पुरानी रंजिश के कारण अंजाम दिया गया था। पुलिस के मुताबिक इस घटना की मास्टरमाइंड एक महिला है। वहीं जिस व्यक्ति ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया है, ये महिला उसी आरोपी की मां है। महिला ने अपने ही बेटे से छह लोगों की हत्या करवाई थी। जानकारी के मुताबिक इस महिला पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था, जो कि 10 हजार रुपये था। अब पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला का नाम पुष्पा बताया गया है। जानकारी के मुताबिक इस हत्याकांड के वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिला अपने बेटे को गोली मारने के लिए कहती हुई दिखती है। महिला से आदेश मिलने के बाद युवक छह लोगों को गोलियों से भून देता है। इस घटना के बाद पुलिस ने कुल नौ लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें से दो को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। बता दें कि महिला के इशारे पर पांच मई को इस घटना को अंजाम दिया गया था जिसमें एक ही परिवार के छह सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। हत्याकांड में जीवित बची एक महिला ने संवाददाताओं को बताया कि हमलावर गांव में उनका इंतजार कर रहे थे। हमलावरों ने अतीत में अपने परिवार के कुछ लोगों की हत्या के लिए साफ तौर पर पीड़ितों के रिश्तेदारों को दोषी ठहराया था।

ट्रेन में खराब खाना या स्टेशन पर ज्यादा कीमत पर मिले सामान तो 139 पर करें शिकायत

–रेल मदद ऐप का भी ले सकते हैं सहारा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे नेटवर्क की दुनिया में अव्वल है, जहां रोजाना हजारों की तादाद में ट्रेनें चलती हैं और इनमें लाखों की तादात में यात्री सफर करते हैं। यात्रा के दौरान कई लोगों को खाने-पीने के सामान से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि आईआरसीटीसी की ओर से ट्रेनों में बेहतर खान-पान की व्यवस्था और सिस्टम को दुरुस्त करने की दिशा में काम किया जाता है, लेकिन फिर भी यात्रा के दौरान खाने-पीने के सामान की गुणवत्ता के साथ ओवर रेटिंग यानी निर्धारित मूल्य से ज्यादा पैसे वसूलने की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं। अगर आपको यात्रा के दौरान खराब खाना मिलता है या फिर रेलवे स्टेशन पर वेंडर आपसे खाने-पीने के सामान के निर्धारित मूल्य यानी एमआपी से ज्यादा पैसे लेता है तो आप इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। रेल नियमों के मुताबिक आप 139 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने मोबाइल फोन से 139 डायल करना होगा और इसके बाद आपको 139 से बताये जा रहे निर्धारित स्टेप को फॉलो करना होगा। भारतीय रेलवे की आईवीआरएस यानी इंटरैक्टिव वॉयस रेस्पॉन्स सिस्टम पर आधारित 139 पर डायल कर अलग-अलग भाषाओं में सूचना दी जाती है, जिसमें सुरक्षा सहायता, चिकित्सा सहायता अथवा दुर्घटना सहायता के लिए 1 दबाना होता है। इसी प्रकार रेल संबंधित पूछताछ के लिए 2, खान-पान के लिये 3, सामान्य शिकायत के लिए 4, भ्रष्टाचार शिकायत के लिए 5, पार्सल एवं माल भाड़े से संबंधित पूछताछ के लिए 6, ट्रेनों से संबंधित जानकारी के लिए 7, अपनी दर्ज शिकायत का ताजा स्टेटस की जानकारी के लिए 9 तथा ग्राहक सेवा प्रतिनिधि से बात करने हेतु स्टार (*) दबाकर अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

जयशंकर ने राहुल गांधी की समझ पर किया तंज, मैं उनसे चीन पर क्लास लेने की सोच रहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने डोकलाम संकट के दौरान भारत में चीनी राजदूत के साथ राहुल की मुलाकात का जिक्र किया। जयशंकर ने कहा, उन्होंने (राहुल ने) उस दौरान सरकार पर हमला करते हुए कहा कि भारत ने चीन के हाथों नया क्षेत्र गंवा दिया। मैं जानता हूं कि राजनीति में सब कुछ राजनीतिक होता है। मैं इस स्वीकार करता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ मुद्दों पर हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम कम से कम इस तरह से व्यवहार करें कि विदेश में अपनी (भारत की) सामूहिक स्थिति को कमजोर न करें, जो हमने चीन के मामले में पिछले तीन वर्षों में देखा है। कांग्रेस नेता राहुल पर तंज कसते हुए जयशंकार ने कहा कि मैं राहुल से चीन पर क्लास लेने की सोच रहा था, लेकिन मुझे पता चला कि वह खुद ही चीनी राजदूत से चीन पर क्लास ले रहे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि चीन से लगी सीमा को लेकर चीजें गलत संदर्भ में पेश की जाती हैं, जैसे जानकारी आई कि चीन पैंगोंग त्सो पर ब्रिज बना रहा है, लेकिन यह नहीं बताया गया कि उस इलाके में बना रहा है जो 1962 या उससे पहले ही उसने अपने कब्जे में ले लिया। इसी तरह कई मॉडल विलेज बनाए जाने की खबर आई। ये भी वे इलाके हैं, जिस पर 1962 या उससे पहले से ही उसका कब्जा है।

जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ भारत के खराब रिश्तों का कारण बताया है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि पाकिस्तान के साथ दुश्मनी भारत के फायदे में नहीं है। यह कोई चाहता भी नहीं है। लेकिन, पड़ोसी आपके शहर पर हमला करेगा, तब रिश्ते कैसे सामान्?य रह सकते हैं। इसके बाद कहीं न कहीं लक्ष्मण रेखा तब खींचनी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान न केवल आतंक की फैक्ट्री चलाता है, बल्कि इस पर अपना अधिकार भी समझता है। वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी नियमों का भी पालन नहीं करता है। उन्होंने दक्षेस देशों के संगठन सार्क का जिक्र कर कहा कि इसतरह के संगठन में पाकिस्तान कैसे हो सकता है जो आतंकवाद का समर्थन कर आपसी कनेक्टिविटी को बाधित करता हो। जयशंकर ने कहा कि बिलावल भुट्टो को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए न्यौता भेजा गया था, इससे ज्यादा कुछ नहीं। लेकिन उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस और इंटरव्यू में एससीओ के विषय को छोड़कर हर मुद्दे पर बयान दिया। यह सही नहीं था। एससीओ बैठक के कमरे के बाहर बिलावल ने भारत की राजनीति से लेकर कश्मीर और जी 20 से लेकर बीबीसी डॉक?यूमेंट्री तक हर मुद्दे पर बयान दिया, यह सही नहीं था। जयशंकर ने कहा कि मेहमान अच्छा हो तब मैं अच्छा मेजबान हूं।

तेजस्वी यादव की मानहानि मामले में बढ़ सकती है मुश्किलें

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मानहानि मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। गुजराती को ठग कहने के मामले में कोर्ट तय करेगा कि तेजस्वी यादव के खिलाफ मानहानि का मुकदमा बनता है या नहीं। अगर मानहानि का केस हुआ तो कोर्ट तेजस्वी यादव को समन भी जारी कर सकती है। राजद नेता और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने पिछले महीने के आखिर में विधानसभा परिसर में दिए अपने एक बयान में कहा था कि देश की मौजूदा स्थिति में सिर्फ गुजराती ठग हो सकते हैं और उन्हें माफ भी कर दिया जाएगा। जांच एजेंसियों को उनसे डील करते वक?त सावधान रहना चाहिए। एलआईसी या बैंक के पैसे लेकर

भाग जाएंगे तो फिर कौन जिम्मेदार होगा। तेजस्वी यादव के इस बयान के खिलाफ अहमदाबाद के हरेश प्राणशंकर मेहता ने आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का दर्ज कराया है। उन्होंने अहमदाबाद एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में अपनी शिकायत में लिखा है कि ?पिछले दिनों तेजस्वी ने सार्वजनिक रूप से गुजरातियों को अपमानित किया है। हरेश प्राणशंकर मेहता ने कहा कि राजद नेता के इस तरह के बयान देने से गुजरात से बाहर गुजरातियों को लोग शंका की नजर से देखने लगेंगे। इस मामले में सोमवार को अहमदाबाद सिटी कोर्ट फैसला सुनाएगी।

– कर्नाटक विधानसभा चुनाव : वोटिंग से पहले अमित शाह की दो टूक– बीजेपी की सरकार तय

टिकट वितरण में युवाओं पर विशेष ध्यान, हमने हटाया 4 प्र. रिजर्वेशन का प्रावधान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चुनाव को अभी 48 घंटे से भी कम समय शेष रह गए हैं। 10 मई को वोटिंग है और सभी दल अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। ऐसे में कर्नाटक चुनाव से ठीक पहले देश के गृह मंत्री अमित शाह का इंटर्व्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने, टिकट वितरण से लेकर मुस्लिम रिजर्वेशन तक पर खुलकर अपनी राय रखी है। अमित शाह ने कहा कि चाहे वो उत्तर कर्नाटक हो कल्याण कर्नाटक हो, मैसूर, मांड्या रीजन, हासन या बैंगलुरु सभी क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी के प्रति रूझान, उत्साह और समर्थन गत चुनाव के सापेक्ष में बहुत बड़ा है। एक बहुत बड़ा उत्साह वहां डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए दिखाई पड़ता है। मोदी जी की लोकप्रियता अपार है। ये सीधा वोट में कन्वर्ट हो रहा है। स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है कि भारतीय जनता पार्टी वहां पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

युवाओं पर विशेष ध्यान

बड़े पैमाने पर युवाओं को टिकट दिए जाने के बारे में बताते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर बार बदलाव करती है। इस बार भी किए हैं। स्वाभाविक है कि युवाओं को मौका दिए जाने का बीजेपी का हमेशा से चलन रहा है और इस बार इस पर विशेष ध्यान दिया गया है।

आपत्तिजनक भाषा को लेकर क्या कहा?

प्रचार के दौरान भाषों के प्रयोग को लेकर अमित शाह ने कहा कि मैं तो मानता हूं कि ऐसा नहीं करना चाहिए। कांग्रेस ने जब-जब भी मोदी जी के खिलाफ ऐसी विषैली भाषा का उपयोग किया है उन्हें मुंह की खानी पड़ी है। इस बार कर्नाटक के अंदर भी राज्य की जनता जवाब देगी।

4 प्रतिशत रिजर्वेशन हमने खत्म किया

अमित शाह ने बेबाकी से स्वीकार करते हुए कहा कि 4 प्रतिशत रिजर्वेशन हमारी पार्टी ने ही खत्म किया है, ये सच है। वो गैर संवैधानिक था। हमारे संविधान में धर्म के आधार पर रिजर्वेशन का कोई प्रावधान नहीं है। कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति के तहत वोट बैंक को साधने के लिए ये मुस्लिम रिजर्वेशन किया था, जिसे हमने हटा दिया है। अमित शाह ने कहा कि मैं मानता हूं कि हमने बहुत उचित कदम उठाया है। ये मानता हूं कि थोड़ा लेट उठाया है।

उत्तर प्रदेश को फिर से दहलाने की साजिश में जुटे पीएफआइ के सदस्य

– एटीएस ने 20 जिलों में छापेमारी कर 70 लोगों को हिरासत में लिया

लखनऊ (एजेंसी)। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) के सदस्य उत्तर प्रदेश को फिर से दहलाने की साजिश में जुटे हैं। आतंक निरोधी दस्ते (एटीएस) की रविवार को 20 जिलों में गई छापेमारी के बाद बरामद कई दस्तावेजों में इसके प्रमाण मिले हैं। एटीएस ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को भी जांच में शामिल कर लिया है। उत्तर प्रदेश में पीएफआइ की तरफ से फिर से दंगा भड़काने की साजिश की सूचना भी एनआइए ने ही एटीएस को दी थी। पीएफआइ को प्रतिबंधित करने के बाद एटीएस तथा एनआइए ने कई बार इसके सदस्यों की गिरफ्तारी करके संगठन को कमजोर किया, लेकिन नए सिरे कोई बड़ा कांड कराने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। एनआइए ने 26 अप्रैल को आतंकी गतिविधियों में शामिल लोगों की गिरफ्तारी को लेकर उत्तर प्रदेश व पंजाब सहित चार राज्यों में छापेमारी की थी। उत्तर प्रदेश के रामपुर के काशीपुर गांव में पीएफआइ के सक्रिय सदस्य की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी के बाद एनआइए के हाथ कई अहम सुराग लगे थे, जिसकी सूचना एटीएस की दी गई थी। इसके बाद एटीएस ने पूर्व में गिरफ्तार पीएफआइ के सदस्यों से दोबारा पूछताछ की तो 213 लोगों के नाम सामने आए। इसके बाद एटीएस ने 20 जिलों में छापेमारी करके 70 लोगों को हिरासत में लिया। वाराणसी से 50-50 हजार रुपए के ईनामी परवेज अहमद व रईस अहमद को गिरफ्तार भी किया। गिरफ्तार आरोपितों ने अभी तक की पूछताछ में बताया है कि वाराणसी में संगठन के 100 से ज्यादा सदस्य हैं। इनमें 23 सक्रिय हैं। इनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। प्रतिबंधित संगठन पीएफआइ उत्तर प्रदेश में आठ वर्ष से सक्रिय है। हाथरस कांड की जांच के बाद पुलिस को पीएफआइ द्वारा दंगा भड़काने के सुबूत मिले थे। एसटीएफ ने तीन मार्च को पीएफआइ के सक्रिय सदस्य केरल निवासी कमाल केपी को गिरफ्तार किया था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश का अगला पड़ाव हो सकता है ओडिशा

– नवीन निवास पर करीब आधे घंटे बैठक की योजना, क्या बदल पाएंगे सीएम पटनायक का मूड

नई दिल्ली(एजेंसी)। विपक्षी एकता के लिए पार्टी-पार्टी तक संपर्क साध रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अगला पड़ाव ओडिशा हो सकता है। खबर है कि वह मंगलवार को सीएम नवीन पटनायक से मुलाकात करने वाले हैं। हालांकि, अभी इस बैठक को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन इसके तार विपक्षी एकता से ही जोड़े जा रहे हैं। इससे पहले भी नीतीश कई राज्यों के अपने समकक्षों से मुलाकात कर चुके हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीएम आवास नवीन निवास पर करीब आधे घंटे बैठक की योजना है। रिपोर्ट के अनुसार, बीजद के सूत्र बताते हैं कि यह बैठक नीतीश की विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश से जुड़ी होगी। एक बीजद नेता ने कहा कि बीजद एक मजबूत क्षेत्रीय दल है और ओडिशा के साथ-साथ संसद में भी उसकी उपस्थिति है। अब यह नवीन बाबू पर निर्भर करता है कि वह किसी गठबंधन में शामिल गे या न्यूट्रल रहेंगे। बीजद के लोकसभा में 12 सांसद हैं और राज्यसभा सदस्यों की संख्या 8 है। फिलहाल, पटनायक की अगुवाई वाली पार्टी सामान्य रुख अपनाए हुए हैं। वह न ही भारतीय जनता पार्टी और न ही कांग्रेस समर्थित गठबंधन पर झुकाव दिखा रही है। हालांकि, पहले बीजद कई बार एनडीए का समर्थन कर चुकी है। कहा जा रहा है कि बीजेडी का सियासी रुख बदलने की संभावनाएं कम ही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजद नेता ने कहा, जैसा कि हमारे नेता की तरफ से बताया गया है कि ओडिशा के हित में हमारी दिलचस्पी ज्यादा है। हम हमेशा देश के संघीय ढांचे को मजबूत करने के बारे में सोचते हैं। हमारी कोई राष्ट्रीय महत्वकांक्षाएं नहीं हैं। हम कभी-कभी केंद्र सरकार को मुद्दों पर आधारित समर्थन देते हैं। खास बात है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी पटनायक से मार्च में मुलाकात कर चुकी हैं। 12 अप्रैल को नीतीश ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। साथ ही वह आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव समेत कई बड़े नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

पवार साहेब के मास्टरस्ट्रोक ने भाजपा की योजना को कूडेदान में डाला

–सामना के संपादकीय में किया गया दावा

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को विभाजित करना चाहती थी, जैसा उसने शिवसेना के साथ किया था, लेकिन एनसीपी के दिग्गज नेता के मास्टरस्ट्रोक ने उनकी योजनाओं को नाकाम कर दिया। पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने कहा, भाजपा ने शिवसेना को विभाजित कर दिया। इसी तरह एनसीपी को भी दो हिस्सों में बांटने की उसकी योजना थी। कुछ लोग 'बैग' लेकर तैयार थे और वहां पहुंचने वालों के लिए ठहरने-खाने की व्यवस्था भी कर रखी थी। हालांकि, शरद साहेब के मास्टरस्ट्रोक ने सुनिश्चित किया कि भाजपा की योजना कूड़ेदान में चली गई।

संपादकीय में दावा किया कि एनसीपी का एक समूह चाहता था कि शरद पवार भाजपा से हाथ मिला लें और उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग के उत्पीड़न से मुक्त करें। इसमें कहा गया, हालांकि, पवार ने उनकी बात मानने से इंकार कर दिया। इतना ही नहीं, जिस क्षण उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा की, महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों को करारा झटका लगा। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन पर इस्तीफा वापस लेने का दबाव डाला...'

सामना के संपादकीय में कहा गया है कि एनसीपी कार्यकर्ताओं और नेताओं के दबाव के बाद, पवार ने एक समिति गठित करने का फैसला किया। इसमें कहा गया, उन्होंने एक अहम समिति नियुक्त की और इस समिति में किसे स्थान दिया? इनमें से कई थे, जो इस बात पर जोर दे रहे थे कि एनसीपी बीजेपी से साथ हाथ मिला ले। लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं के गुस्से के कारण, समिति के पास पार्टी अध्यक्ष के रूप में शरद पवार के इस्तीफे को खारिज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। समिति को पवार को बताना था कि, 'अब से केवल वह और वह ही अध्यक्ष बने रहने वाले हैं। इस प्रकार, तीसरे संस्करण के समाप्त होने से पहले, पवार ने इस पूरे मामले को बंद कर दिया।

पवार ने कहा कि जो लोग राकांपा छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा कर सकते हैं और वह उन्हें नहीं रोकने वाले हैं। इसका मतलब है कि जो लोग जाना चाहते थे, उन्हें कम से कम अस्थायी रूप से उनके रास्ते में ही रोक दिया गया है। हालांकि, भाजपा की रहने-खाने की सुविधा अभी भी बनी हुई है।

यूपी निकाय चुनाव : सीएम योगी बोले– यह सपा और बसपा के कचरे को साफ करने का चुनाव है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दूसरे चरण के निकाय चुनाव को लेकर प्रचार जारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान वह अपनी सरकार की उपलब्धियां तो बता ही रहे हैं, साथ ही साथ विपक्ष पर निशाना साध रहे हैं। अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले हर दूसरे-तीसरे दिन एक दंगा होता था लेकिन अब दंगा नहीं होता है आपने देखा होगा पिछले 6 वर्षों में कोई दंगा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पहले उत्सव आते थे तो भय का माहौल बन जाता था लेकिन अब दीपोत्सव प्रदेश की पहचान बन गई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह सपा और बसपा के कचरे को साफ करने का चुनाव है। बाराबंकी में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज दुनिया में भारत के बारे धारना बदली है। भारत को लोग आज सम्मान की निगाहों से देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक लीडर के रूप में अपनी एक नई प्रतिष्ठा को बनाने में सफल हुआ है। योगी ने जनपद मीरजापुर में भी चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अपनी लोक कलाओं व शिल्प के लिए प्रसिद्ध, आदिशक्ति माँ विंध्यवासिनी की कृपाभूमि जनपद मीरजापुर की राष्ट्रवादी जनता का स्नेह व आशीर्वाद भाजपा के साथ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन लोगों ने आपको एक-एक बूंद पानी के लिए तरसाया था, आज उनको एक-एक वोट के लिए तरसाइए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व में राज्य में सत्तारूढ़ रही कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर समाज को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि ये दल तुष्टीकरण करते रहे, जबकि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने समाज के सभी वर्गों का सशक्तिकरण किया है।

मणिपुर में हिंसा के बाद 2250 असम व 300 लोग गए मिजोरम तो तीन सौ म्यांमार तक भागे

–बड़े पैमाने पर पीड़ितों के घर जला दिए व संपत्तियों को पहुंचाया नुकसान

कनकगिरि। (एजेंसी)। इम्फाल (ईएमएस)। मणिपुर में जारी हिंसा भले ही थम गई है, लेकिन शांति के साथ स्थिति तनावपूर्ण ही है। कई जिलों में सेना की बड़ी तैनाती है और फ्लैगमार्च किए गए हैं। इस बीच मणिपुर से 2250 लोगों ने बीते तीन दिनों में असम में शरण ली है। अधिकारियों के मुताबिक 300 लोग तो ऐसे हैं, जिन्होंने मिजोरम में शरण ली है। असम के काछार जिले में 8 शेल्टर कैंप बनाए गए हैं। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात से ही मणिपुर के लोगों ने असम की तरफ आना शुरू कर दिया था। रविवार शाम तक कुल 2252 लोग आए गए थे। इनमें अधिकतर बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं हैं। बड़े पैमाने पर पीड़ितों के घर जला दिए गए और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया।

300 लोगों ने मिजोरम में शरण ली है, क्योंकि वहां उनके रिश्तेदार थे। यही नहीं, सीमावर्ती कस्बे मोरेह में रहने वाले मैतैई समुदाय के 300 लोग म्यांमार की सीमा में चले गए और वहां शरण मांगी है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब खुद मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने म्यामांर से आए 500 शरणार्थियों को प्रदेश में रहने की मंजूरी दी है। मोरेह के एक शख्स ने बताया कि मोरेह के करीब 300 मैतेई समुदाय के लोगों ने सीमा पार करके म्यांमार में एंट्री ली है। हम में से अधिकतर लोगों ने असम में ही शरण ली है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में 300 लोग सुरक्षित ठिकाने की तलाश में गए हैं, लेकिन वहां उनकी सिक्योरिटी को लेकर हमें चिंता हो रही है।

काछार जिले के डिप्टी कमिश्नर रोहन कुमार झा ने कहा कि यहां शरणार्थियों को पर्याप्त राशन और खाना दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में नागरिक भी मदद कर रहे हैं और शरणार्थियों को राशन और पानी की सुविधा दे रहे हैं। पुलिस सुरक्षा में तैनात और वरिष्ठ अधिकारी कैंपों का दौरा कर रहे हैं। असम में अब तक कुल 2252 लोग पलायन करके आए हैं और 300 लोग मिजोरम गए हैं। इतने ही लोगों ने म्यांमार में शरण ली है। इस तरह कुल 3000 लोगों को मणिपुर में हिंसा के चलते प्रदेश के बाहर जाना पड़ा है।

मणिपुर हाई कोर्ट ने 19 अप्रैल को एक फैसला दिया था, जिसमें राज्य सरकार से कहा था कि वह मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने पर विचार करे। इसके बाद राज्य के आदिवासी समुदाय के लोग भड़क गए थे। उन्हें लगता है कि यदि मैतेई समुदाय के लोगों को भी एसटी का दर्जा मिला तो वे पहाड़ी इलाकों में भी बस सकेंगे और जमीनों की खरीद कर सकेंगे। ऐसी स्थिति में उनके हित प्रभावित होंगे। इसी के विरोध में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर ने एक मार्च निकाला था। इस दौरान हिंसा भड़क गई और फिर पूरे राज्य में हालात बिगड़ते चले गए।

हर 6 घंटे में एक व्यक्ति को फांसी पर लटकाया गया, इस मुल्क को लेकर मानवाधिकार समूह का चौंकाने वाला दावा

ईरान ने पिछले 10 दिनों में हर 6 घंटे में एक इंसान को फांसी हुई है। इस बात का खुलासा मानवाधिकारी संगठन की एक रिपोर्ट में हुआ है। ईरान मानवाधिकार का कहना है कि अकेले इस साल की शुरुआत से ही कम से कम 203 कैदियों को मौत की सजा दी गई है। मौत की सजा पाने वाले लोगों में ज्यादातर अल्पसंख्यक बलूच समुदाय के लोग हैं। ईरान ने ईशनिंदा के दोषी दो लोगों को फांसी पर लटका दिया, अधिकारियों ने कहा कि इस अपराध के लिए दुर्लभ मौत की सजा दी जा रही है क्योंकि महीनों की अशांति के बाद इस्लामिक गणराज्य में फांसी की सजा बढ़ गई है। ईशनिंदा के लिए फांसी देना दुर्लभ है, क्योंकि पिछले मामलों में अधिकारियों ने सजा कम कर दी थी। यूसेफ मेहरद और सद्रोला फ़ाज़ेली ज़ारे को फाँसी दी गई। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग के अनुसार

दोनों को मई 2020 में टेलीग्राम संदेश ऐप पर 卐अंधविश्वास और धर्म की आलोचना卐 नामक एक चैनल में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आयोग ने कहा कि दोनों पुरुषों को महीनों तक एकांत कारावास का सामना करना पड़ा और वे अपने परिवारों से संपर्क नहीं कर सके। मिजान समाचार एजेंसी ने फांसी की पुष्टि की है। दो लोगों को इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद का अपमान करने और नास्तिकता को बढ़ावा देने के रूप में वर्णित किया गया। मिजान ने उन पर इस्लाम की पवित्र पुस्तक कुरान को जलाने का भी आरोप लगाया, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि पुरुषों ने कथित तौर पर ऐसा किया या टेलीग्राम चैनल में ऐसी तस्वीरें साझा की गईं। ईरान के मानवाधिकारों का नेतृत्व करने वाले महमूद अमीरी-मोघद्दामने ईरान के लोकतंत्र की 卐मध्ययुगीन प्रकृति卐 को उजागर करते हुए फांसी की सजा की निंदा की है।

टेक्सास में बस अड्डे पर वाहन चालक ने यात्रियों पर चढ़ा दी बस, 7 लोगों की मौत

ब्राउंसविले । अमेरिका के टेक्सास प्रांत में सीमावर्ती शहर ब्राउंसविले में एक एसयूवी चालक ने बस अड्डे पर बस का इंतजार कर रहे लोगों पर अपना वाहन चढ़ा दिया, जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह बस अड्डा एक शरणार्थी शिविर के बाहर बना हुआ है। शरणार्थी शिविर 'बिशप एनरीक सैन पेड्रो ओजानाम सेंटर' के निदेशक विक्टर माल्डोनाडो ने कहा कि उन्होंने रविवार सुबह दुर्घटना के बारे में सूचना मिलने पर शिविर में लगे निगरानी कैमरे के वीडियो को देखा था। माल्डोनाडो ने कहा कि हमने वीडियो में देखा कि यह एसयूवी एक रेंज रोवर थी और इसने तेज गति से लाल बत्ती को पार किया और बस अड्डे में बैठे लोगों पर यह चढ़ गई। उन्होंने बताया कि बस अड्डे में बैठने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए लोग सड़क किनारे बनी पट्टी पर बैठे हुए थे। इस दुर्घटना में हताहत हुए अधिकतर लोग वेनेजुएला से हैं। निदेशक के अनुसार वाहन सड़क किनारे बनी पट्टी से टकराने के बाद पलट गया और 200 फीट दूरी तक पहुंच गया। वहां टहल रहे कुछ लोग भी वाहन की चपेट में आ गए। शरणार्थी शिविर के निदेशक विक्टर माल्डोनाडो ने बताया कि दुर्घटना के पहले किसी प्रकार की कोई धमकी नहीं मिली, लेकिन बाद में लोगों ने यहां आकर धमकी दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग गेट पर आए और उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से कहा कि ये हमारे कारण हुआ है।

पेरू में सोने की खदान में आग लगने से 27 लोगों की मौत

लीमा । दक्षिणी पेरू में सोने की एक खदान में भीषण आग लगने से रात्रि पाली के दौरान वहां काम कर रहे कम से कम 27 मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खदान कंपनी यानाक्विहुआ ने एक बयान में कहा कि शनिवार तड़के दुर्घटना के बाद कुल 175 मजदूरों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बयान में कहा गया है कि जान गंवाने वाले 27 मजदूर एक ठेकेदार के लिए काम करते थे, जो खनन प्रक्रिया का प्रशिक्षण देता है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया में आई कुछ खबरों के अनुसार प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि सतह से लगभग 100 मीटर नीचे स्थित खदान के एक हिस्से में शॉर्ट सर्किट से विस्फोट हुआ। लोक मंत्रालय ने कहा है कि जांचकर्ता घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

पाक में ईशनिंदा का आरोप लगाकर एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डाला

-आरोपी आलम ने अंत में किया था रैली को संबोधित

पेशावर । पाकिस्तान में एक राजनीतिक पार्टी की रैली में शामिल लोगों ने ईशनिंदा के आरोपी व्यक्ति की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस अधिकारी इकबाल खान ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पेशावर के उत्तर-पूर्व में स्थित मर्दन जिले के सावलधेर गांव में शनिवार रात प्रदर्शनकारियों ने 40 वर्षीय मौलाना निगार आलम की हत्या कर दी। देश की न्यायपालिका के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए आयोजित रैली में शामिल लोगों ने आलम पर उस वक्त ईशनिंदा करने का आरोप लगाया, जब उसने कार्यक्रम के अंत में भाषण दिया। खान ने कहा कि उसकी प्रार्थना के कुछ शब्दों को कई प्रदर्शनकारियों ने ईशनिंदा माना, जिससे गुस्साई भीड़ ने उसे प्रताड़ित किया और उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि रैली में ड्यूटी पर तैनात पुलिस उपायुक्त ने पास की एक दुकान में बंद करके शख्स को बचाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ ने दरवाजा तोड़ दिया और उस पर हमला कर दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग आरोपी शख्स को जमीन पर गिराते हैं, लात मारते हैं और डंडों से पीटते हैं। व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पाकिस्तान में लोगों पर ईशनिंदा का आरोप लगाना आम बात है।

न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को उम्रकैद

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को 19 साल से ज्यादा की कैद की सजा सुनाई गई है। यह व?यक्ति डाउन सिन्ड्रॉम से पीड़ित एक महिला के यौन उत्पीड़न और घातक रूप से उसका गला दबाने का आरोपी है। एनजेड हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार शामल शर्मा को इस सप्ताह ऑकलैंड में हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति एडविन वाइली ने अनिवार्य आजीवन कारावास की न्यूनतम अवधि की कैद की सजा सुनाई। इस दौरान उसने किसी तरह की भावना नहीं दिखाई। सितंबर 2021 में उसके माउंट अल्बर्ट घर से लगभग एक किलोमीटर दूर 27 वर्षीय लीना झांग हैरप का शव मिलने के दो दिन बाद शर्मा को गिरफ्तार किया गया था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार हैरप जब सुबह अपने घर से टहलने के लिए निकलीं तो रास्ते में उन्हें शर्मा मिला। उसने लगभग दो घंटे तक उसे प्रताड़ित किया और उसका गला घोंटने से पहले उसके चेहरे पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ित के शरीर को झाड़ियों में छिपाने के बाद शर्मा वहां से भाग गया। दो दिन बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि हैरप को उसके सिर पर 13 चोटें और खरोंचें आईं। साथ ही मस्तिष्क में अंदरूनी आघात भी हुआ, हालांकि यह घातक नहीं था। सरकारी अभियोजक मैथ्यू नाथन ने अदालत को बताया कि कुछ चोट इतनी घातक थीं कि वे अकेले ही उसकी मृत्यु का कारण बन सकती थीं। उन्होंने शर्मा के सिजोफ्रेनिया से पीड़ित होने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि हमला यौन इच्छा से प्रेरित था। उन्होंने न्यायाधीश से कहा कि इसमें एक हद तक दूसरों को दर्द देकर खुश होने की प्रवृत्ति है। अदालत को बताया गया कि घटना के बमुश्किल 24 घंटे पहले शर्मा ने फुटपाथ पर टहल रही एक अजनबी को भी हिंसक तरीके से अपना शिकार बनाया था, जो किसी तरह खुद को बचाने में कामयाब रही और पास के एक घर से पुलिस को बुला लिया। हैरप की मां ने अदालत के फैसले के बाद कहा कि कोई भी सजा काफी लंबी नहीं है और कोई भी न्याय उस जीवन और प्यार की जगह नहीं ले सकता है, जो चला गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शर्मा के वकील जोनाथन हडसन ने कहा कि उनका मुवक्किल सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है और आपातकालीन आवास से बेदखल किए जाने के बाद से अपनी कार में रह रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के नमाडेगी नेशनल पार्क में हुई भारी बर्फबारी से चारों ओर बर्फ की एक सफेद चादर सी बिछ गयी।

75 साल में पहली बार, पड़ी ऐसी कंगाली की मार, हज कोटा किया वापस लेकर बचाए 196 करोड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने इतिहास में पहली बार हज तीर्थयात्रियों के लिए सऊदी अरब द्वारा दिए गए कोटा को छोड़ दिया है। पाकिस्तान के ऐसा करने के पीछे की वजह आवेदकों की संख्या उपलब्ध सीटों की संख्या से मेल नहीं खाना बताया गया है।धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, आठ हजार सरकारी योजना कोटा वापस कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मंत्रालय के एक सूत्र का हवाला देते हुए सरकार को किराए के भुगतान में अतिरिक्त $24 मिलियन यानी 196 करोड़ भारतीय रुपये बचाने के लिए निर्णय लिया गया था। संघीय प्रशासन ने पहले घोषित किया था कि हज उम्मीदवारों के लिए कोई मतदान नहीं होगा क्योंकि यह अनुमान लगाया गया था कि आवेदन करने में रुचि रखने वाले पर्याप्त लोग नहीं होंगे। यह महत्वपूर्ण बदलाव देश के मुद्रास्फीति के गंभीर प्रभावों को प्रदर्शित करता है। सरकार लंबे समय से कोटा बढ़ाने की मांग कर रही थी, लेकिन पाकिस्तान अपना निर्धारित कोटा भरने में असमर्थ था। लंबे समय में पहली बार पाकिस्तान को इस साल तीर्थयात्रा का पूरा खर्चा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने निजी हज ऑपरेटरों को बचे हुए हज कोटा तक पहुंच देने पर भी विचार किया। हालांकि, इसने अप्रयुक्त कोटा को इस चिंता से बाहर करने की योजना बनाई कि निजी ऑपरेटर खुले बाजार में डॉलर खरीद सकते हैं।

भारत जी20 की मेजबानी कर रहा...ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बोले-

क्वाड पार्टनर्स दुनिया को बेहतर दुनिया को आकार देने के लिए कर रहे बेहतर सहयोग

कैनबरा (एजेंसी)। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ'फेरेल ने कहा कि प्रधानमंत्री अल्बनीस 23-24 मई को क्वाड शिखर सम्मेलन की प्रतीक्षा कर रहे हैं और मैं भी। यह दुनिया को सिडनी दिखाने का एक और शानदार अवसर है। यह हमारे लिए एक दिलचस्प वर्ष है। सभी 4 क्वाड पार्टनर्स। भारत जी20 की मेजबानी कर रहा है, जापान जी7 की मेजबानी कर रहा है, ऑस्ट्रेलिया क्वाड की मेजबानी कर रहा है और अमेरिका अपेक की मेजबानी कर रहा है।

उच्चायुक्त बैरी ओ'फेरेल ने कहा कि इसलिए, क्वाड पार्टनर हम सभी के लिए एक बेहतर दुनिया को आकार देने के लिए बहुपक्षीय सहयोग कर रहे

हैं।सिडनी में होने वाले क्वाड समिट पर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ'फारेल ने कहा कि हम एक सुरक्षित, सुरक्षित और संप्रभु इंडो-पैसिफिक के लिए एक सकारात्मक एजेंडा साझा करते हैं जो नियमों का पालन करता है।

ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों की तोड़फोड़ पर, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ%फारेल ने कहा कि पीएम अल्बनीस ने मार्च में पीएम मोदी को आश्वासन दिया था कि ऑस्ट्रेलिया में हम मानते हैं कि लोगों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। पीएम अल्बनीज यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हमारा सुरक्षा बल हर संभव कार्रवाई करे जब बर्बरता जिम्मेदार लोगों को ट्रैक करे और उन पर मुकदमा चलाए और मुझे विश्वास है कि ऐसा होगा। मेरे विदेश मंत्री ने कहा कि अनौपचारिक जनमत संग्रह का ऑस्ट्रेलिया में कोई कानूनी आधार नहीं है।

दिग्गज निवेशक वारेन बफे ने आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को परमाणु बम बताया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज निवेशक और बर्कशायर हैथवे के सीईओ वारेन बफे ने आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को खतरनाक बताकर इसकी तुलना परमाणु बम से की है। बर्कशायर हैथवे की सालाना बैठक में बफे ने कहा कि एआई सब कुछ कर सकती है। इस रोकना हमारे बस में नहीं होगा। एआई सब कुछ बदल सकता है। लेकिन वह व?यक्ति के सोचने के तरीके और व्यवहार को नहीं बदल सकता। परमाणु बम का आविष्कार भी अच्छे कामों के लिए किया गया था। लेकिन, उसके परिणाम कुछ और ही निकले हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, हैथवे की सालाना मीटिंग ओमाहा, नैब्रास्का में हुई थी। बफे की एआई को लेकर सख्त प्रतिक्रिया एआई के पितामह कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन के इस मानवता के लिए 'घातक' बताए जाने के कुछ दिन बाद ही आई है। दुनिया के लिए एआई को खतरनाक बताते हुए हिंटन ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया है।

बफे ने कहा, जब कोई सभी तरह के काम करने में सक्षम हो तब मैं थोड़ा चिंतित हो जाता हूं। क्योंकि मुझे मालूम है कि हम उस पर नियंत्रण नहीं रख पाएंगे। आप सभी जानते हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध में हमने बहुत ही अच्छे कारण से एटम बम का आविष्कार किया था। यह बहुत महत्वपूर्ण था। लेकिन, क्या अगले दो सौ वर्षों के लिए यह अच्छा साबित हुआ। बफे ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सब कुछ करने में सक्षम है। बस केवल वह मानव के मस्तिष्क के सोचने के तरीके और उसके व्यवहार को नहीं बदल सकता। बफे ने कहा कि परमाणु बम के आविष्कार के बाद भी कहा गया था कि इसका बहुत फायदा होगा। लेकिन, हुआ उल्टा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक माने जाने वाले जेफ्री हिंटन ने पिछले सप?ताह इस घातक बताकर गूगल से इस्तीफा दे दिया था। एआई आधारित कई प्रोडक्ट को विकसित करने में हिंटन की अग्रणी भूमिका रही है।

विजय दिवस से पहले रूस ने यूक्रेन पर किए हमले

- बमवर्षा से थर्राए कीव समेत कई शहर, लोग ?फिर दहशत में

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन से चल रहे महायुद्ध के बीच रूस विजय दिवस की तैयारी कर रहा है। 9 मई का दिन नाजी जर्मन पर सोवियत संघ की जीत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए काफी अहम है। एक तरफ पुतिन अपने ऐतिहासिक भाषण की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर उनकी आर्मी यूक्रेन के शहरों को हवाई हमलों से दहला रहे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि विजय दिवस से पहले रूस ने यूक्रेनी शहरों में बमवर्षा तेज कर दी है। कीव और ओडेसा समेत कई शहरों में सुबह से हवाई हमलों के बाद सायरन बज रहे हैं। स्थानीय लोग एक बार फिर दहशत में हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि रूस ने राजधानी कीव समेत पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर हमलों की लहर शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा, मॉस्को नाजी जर्मनी की अपनी हार की सालगिरह के प्रतीक विजय दिवस की तैयारी कर रहा है। कीव पर रूसी हमलों के कारण कम से कम पांच लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों ने ओडेसा के काला सागर शहर में एक खाद्य पदार्थों के गोदाम में आग लगा दी और कई अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों में विस्फोटों की सूचना मिली है।

यूक्रेन पर ताजा हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब मास्को मंगलवार को अपनी विजय दिवस परेड की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन सोवियत संघ को नाजी जर्मन पर ऐतिहासिक जीत मिली थी। पुतिन 9 मई को अपनी सेना और जनता को एक बार फिर विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह यूक्रेन को हराने में सक्षम है, भले ही तमाम यूरोपीय देश और अमेरिका उसके खिलाफ क्यों न खड़े हो जाए। एक दिन पहले रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप ने यूक्रेन के बखमुत से पीछे हटने की घोषणा की थी। अपने आका रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को साफ लफ्जों में चेतावनी देते हुए ग्रुप के चीफ ने वीडियो जारी किया था। कहा कि रूस ने वादे के मुताबिक गोला-बारूद देने की बात कही थी लेकिन, ऐसा नहीं हो पाया। इसलिए वह आर्मी के लोगों को मरते हुए नहीं देख सकता। वह जल्द ही यूक्रेन पर अपने हमले बंद करेगा लेकिन, एक दिन बाद ही वैगनर ग्रुप ने पीछे हटने की योजना को खारिज कर दिया है और बखमुत में हमले तेज कर दिए हैं।

हथियारों व मैगजीन पर तत्काल प्रतिबंध लागू करना समय की आवश्यकता: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

- टेक्सास मॉल फायरिंग की जो बाइडेन ने की निंदा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में टेक्सास के शॉपिंग मॉल में शनिवार को 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरा अमेरिका हिला हुआ है। घटना के बाद अमेरिकी प्रशासन एक्शन में है। यहां तक कि खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक्शन ने रविवार को इस घटना की निंदा की और अमेरिका में हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए सिरे से आह्वान किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाइडेन ने कहा कि एक बार फिर मैं कांग्रेस से हमला करने वाले हथियारों और मैगजीन पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक भेजने के लिए कहता हूं। इसे तत्काल लागू करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं इस पर तुरंत हस्ताक्षर करूंगा। हमें अपनी सड़कों को सुरक्षित रखने के लिए कुछ भी कम नहीं चाहिए। इसके अलावा राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक आदेश जारी किया है कि टेक्सास में गोलीबारी में मारे गए पीड़ितों के सम्मान में सभी सार्वजनिक भवनों पर अमेरिकी झंडा आधा झुका रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आदेश दिया है कि अमेरिका का झंडा व्हाइट हाउस और सभी सार्वजनिक भवनों और सभी सैन्य चौकियों और नौसैनिक स्टेशनों पर और अमेरिका में संघीय सरकार के सभी नौसैनिक जहाजों पर 11 मई को शूटिंग के पीड़ितों का सम्मान करने के लिए आधा झुका हुआ फहराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शनिवार को टेक्सास में एक मॉल के बाहर एक हमलावर ने 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बंदूकधारी हमलावर ने मॉल के बाहर लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई थी। इस घटना में 8 अन्य जख्मी हो गए थे। घटना टेक्सास प्रांत के एलन में स्थित मॉल में हुई थी। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ा वीडियो भी वायरल है। इस वीडियो में हमलावर को लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाते हुए देखा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में इस साल अब तक 195 से ज्यादा गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं।

बिलावल की हुई बेइज्जती तो इमरान ने उगला जहर, कहा- भारत यात्रा का क्या फायदा हुआ?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस सप्ताह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने के लिए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की आलोचना की। लाहौर में एक रैली में इमरान खान ने पूछा कि भुट्टो की भारत यात्रा से क्या फायदा हुआ। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान को अपमानित किया गया। इमरान की ये टिप्पणी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा एससीओ बैठक में अपने संबोधन में भुट्टो जरदारी के खिलाफ एक आक्रामक हमले के बाद आई है। जयशंकर ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री के बयान का विरोध करते हुए कहा था कि आतंकवाद को

राजनयिक पॉइंट-स्कोरिंग के हथियार के रूप में प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

इमरान ने सवाल किया कि भारतीय विदेश मंत्री ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया उससे भारत यात्रा का क्या फायदा हुआ। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने उन पर 'प्रवर्तक, न्यायोचित और एक आतंकवादी उद्योग के प्रवक्ता होने का आरोप लगाया था। जयशंकर ने कहा कि एससीओ सदस्य राज्य के विदेश मंत्री के रूप में बिलावल भुट्टो जरदारी के साथ उसी के अनुसार व्यवहार किया गया। एक प्रवर्तक, न्यायोचित और एक आतंकवाद उद्योग के प्रवक्ता के रूप में, जो कि पाकिस्तान का मुख्य आधार है।

इस पर इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री को इस कूटनीतिक रूप से जोखिम भरी यात्रा पर जाने से पहले लागत-लाभ अनुपात की गणना करनी चाहिए थी। हालांकि, भारत में एक मीडिया चैनल को दिए साक्षात्कार में बिलावल भुट्टो ने अपनी यात्रा को सफल करार दिया था।

एससीओ बैठक में पाकिस्तान पर अटैक से घायल हुआ चीन, दे दी धमकी

इस्लामाबाद। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे भारत ने पहले पकिस्तान को एससीओ बैठक में बुलाया फिर उसके बाद उसकी जमकर धुलाई कर दी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान सुनकर पाकिस्तानी लोग शर्मिंदा हो गए हैं। वैसे आपको अगर लग रहा है कि एससीओ बैठक में भारत ने सिर्फ पाकितान की क्लास लगाई है तो आपको विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान और उनकी कूटनीति को दोबारा समझना होगा। दरअसल, भारत ने एससीओ बैठक में हमला तो पाकिस्तान पर किया था, लेकिन इस हमले में घायल चीन भी हो गया। चीन के विदेश मंत्री किंग गैंग एससीओ बैठक से निकलकर सीधा पाकिस्तान पहुंच गए। इतना ही नहीं पाकिस्तान पहुँच कर उन्होंने भारत को धमकी दे दी। चीन ने क्या कहा है उससे पहले आपको ये जानना चाहिए कि आखिर उसने ऐसा क्यों कहा है? दरअसल, चीन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत ने एससीओ बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री को आतंक की इंडस्ट्री का प्रवक्ता कहा है।

सब भुट्टो में अटके रहे, इधर अमेरिका ने डोभाल को लेकर साथ बनाई चीन को चित करने की रणनीति

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने सऊदी अरब में अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोडाल के साथ बैठक की है। इस बात की जानकारी देते हुए व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने 7 मई को सऊदी अरब में अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के साथ बैठक की है। डोभाल और सुलिवन के बीच महत्वाकांक्षी भारत-यूएस लॉन्च करने के बाद यह पहली बैठक है। सुलिवान वर्तमान में सऊदी अरब की यात्रा पर हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने सऊदी प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 7 मई को सऊदी अरब में भारत और दुनिया के साथ जुड़े अधिक सुरक्षित और समृद्ध मध्य पूर्व क्षेत्र की अपनी साझा दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए मुलाकात की।

व्हाइट हाउस ने कहा कि सुलिवान ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा करने के लिए क्राउन प्रिंस, शेख तहनून और डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया में क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर डोभाल के साथ और परामर्श करने के लिए उत्सुक हैं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद के साथ उन्होंने यमन में अब 15 महीने लंबे युद्धविराम को और मजबूत करने के लिए वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की और युद्ध को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में चल रहे प्रयासों का स्वागत किया, साथ ही साथ कई अन्य मुद्दों को भी शामिल किया।

मीडिया रिपोर्ट में इस बैठक में शामिल देश दक्षिण एशिया में भारतीय उपमहाद्वीप को पश्चिम एशिया जिसे अमेरिका मध्य पूर्व कहता है के साथ बड़े क्षेत्र में रेलवे, समुद्री और सड़क संपर्क बनाने के लिए व्यापक पैमाने पर संयुक्त परियोजना की व्यापक रूपरेखा को लेकर चर्चा के दावे किए गए हैं। प्रमुख पहलों में से एक है जिसे व्हाइट हाउस मध्य पूर्व में शुरू करना चाहता है क्योंकि इस क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता जा रहा है. मध्य पूर्व चीन के बेल्ट एंड रोड विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बता दें कि इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में 'वाशिंगटन पोस्ट' के स्तंभकार जमाल खशोगी की 2018 में हत्या के बाद अपने चुनाव प्रचार अभियान में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सऊदी अरब को अलग-थलग करने का संकल्प लिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि

यह हत्या क्राउन प्रिंस के आदेश पर हुई, लेकिन सऊदी अरब इससे इनकार करता है। हालांकि, बाइडन ने पिछले साल जुलाई में सऊदी अरब की यात्रा कर यूक्रेन पर रूस के युद्ध जारी रहने के मद्देनजर ऊर्जा जरूरतों पर देश से सहायता मांगी थी।

संपादकीय

दवा भी है खाना

पूरी दुनिया इस बात को लेकर हैरत में थी कि सघन आबादी वाले तथा अपर्याप्त चिकित्सा सुविधा वाले देश में कोरोना महामारी के बीच मृत्यु दर कम कैसे रही। जबकि कम आबादी वाले संपन्न व पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं वाले देशों में मौत का आंकड़ा कहीं ज्यादा रहा। विश्व के कई देशों के वैज्ञानिक अब इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि भारतीय व्यंजन स्वाद के साथ तमाम चिकित्सीय गुणों से भरपूर हैं। लेकिन विडंबना यही है कि भारत में विदेशी शासन के लंबे दौर ने ऐसी दासता की मानसिकता को जन्म दिया कि हम अपनी समृद्ध परंपरा व खानपान को छोड़कर विकृतियां पैदा करने वाली खाद्य श्रृंखला को अपना रहे हैं। हम अपनी विरासत पर तब गर्व करते हैं जब पश्चिमी अनुसंधान व शोध उस पर मोहर लगा देते हैं। एक हालिया वैज्ञानिक अध्ययन ने कई देशों में शोध-सर्वेक्षण के बाद माना कि भारतीय भोजन स्वास्थ्यवर्धक पाये गये हैं। दरअसल, ब्राजील, जॉर्डन, सऊदी अरब, स्विट?ज़रलैंड और भारतीय वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किये अध्ययन की रिपोर्ट हाल में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च अर्थात? आईसीएमआर के एक जर्नल में प्रकाशित हुई हुई है। दरअसल, इस अध्ययन में जहां अधिक मृत्यु दर वाले अमेरिकी व यूरोपीय देशों को शामिल किया गया तो दूसरी ओर कम मृत्यु प्रतिशत वाले भारत को भी। ज्यादा मृत्यु दर वाले अमेरिका व यूरोप के चार देशों की बारह खानपान की वस्तुओं के रोजमर्रा के उपभोग के आंकड़े जुटाये गये। वास्तव में यह अध्ययन न्यूट्रिजेनोमिक्स से संबंधित है, जिसके अंतर्गत जीनोम पर खाने से होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है।

इस तरह भारतीय खानपान न्यूट्रिजेनोमिक्स की कसौटी पर खरे पाये गये। भारतीयों की खानपान की शैली व गुणवत्ता ने पश्चिमी वैज्ञानिकों को चौंकाया है। बताया जाता है कि कोरोना संकट के दौरान दवा व उपचार के साथ भारतीय खानपान ने भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया है। इस खाने में चाय, हल्दी, राजमा-चावल व इडली-सांभर भी शामिल हैं। इस वैज्ञानिक अध्ययन ने हमारे आयुर्वेद, योग व पुरखों के ज्ञान की वैज्ञानिकता पर मोहर लगायी है। निस्संदेह, इम्यूनिटी बढ़ाने के गुण के कारण पूरी दुनिया में इनकी स्वीकार्यता बढ़ेगी। वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि विश्वव्यापी कोरोना लहर के दौरान भारत में शेष दुनिया की तुलना में कम मौतें हुई थीं। पश्चिमी देशों में मौतें पांच से आठ गुना ज्यादा थीं। दुनिया इस बात को लेकर हैरत में थी कि कम आबादी वाले देशों में मौत का आंकड़ा अधिक था, लेकिन घनी आबादी वाले भारत में लोग महामारी के साथ मजबूती के साथ लड़ रहे थे। वहीं दूसरी ओर भारत में इस महामारी से जूझने के लिये जरूरी दवा, ऑक्सीजन व आपातकालीन सुविधाओं का लगभग अभाव ही था। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने शोध का निर्णय लिया कि क्या भारतीयों के आहार की इम्यूनिटी बढ़ाने की क्षमता से ही कोरोना की गंभीरता और मौतों का मुकाबला किया जा सका। लेकिन जोखिम और भोजन को जोड़कर जब अध्ययन किया गया तो वैज्ञानिकों ने पाया कि टीकाकरण व अन्य उपायों सहित भोजन की आदतों और परंपरागत खानपान ने भारतीयों को उच्च मृत्यु दर से बचाया है।

मामूली नहीं है मसला

मणिपुर में अब तक हिंसक झड़पेंग मारकाट और लूटमार चालू है। राजधानी इम्फाल समेत अन्य इलाकों में जातीय संघर्ष का दौर थमा नहीं है। अब तक चौअन लोगों के मारे जाने की खबरें हैं, हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई संख्या नहीं बताई गई है। गवर्नमेंट लैंड़ सर्वे व हाई कोर्ट के आदेश के बाद समूचा राज्य हिंसा की चपेट में आ गया। दस सालों से मांग कर रहे मैतई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने को अदालत के कहते ही आदिवासियों के साथ झड़पें चालू हो गई। कुकी आदिवासी बहुल चुराचंद जिले से तनाव की शुरुआत हुई जहां ट्राइबल फोरम के आठ घंटे के बंद के ऐलान के बाद पुलिस और उपद्रवियों में झड़पें शुरू हो गई। कुकी और नागा सड़कों पर आ गए। राज्य की पहाड़ी जनजातियों को स्पेशल कांसिट्यूटशनल प्रिविलेज प्राप्त हैं, जो मैतई को अब तक नहीं मिले थे। इसलिए वे पहाड़ी इलाकों में जमीन नहीं खरीद सकते थे। मैतई कहते हैंग उन्हें पहाड़ी इलाकों से अलग किया जा रहा है। 1949 में मणिपुर के भारत में विलय से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला ही हुआ था। उनका कहना है, उनके पूर्वजों की जमीन, भाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए यह जरूरी है जबकि कुकी कहते हैं, मैतई पहले ही संपन्न हैं, उनका राज्य में दबदबा है। ऐसे में उनके अधिकार कमजोर पड़ सकते हैं। मणिपुर के साठ विधायकों में चालीस मैतई समुदाय से हैं। यह झगड़ा जातिगत भले ही है परंतु इसकी बुनियाद में आर्थिक-सामाजिक स्तर भी शामिल हैं। राज्य सरकार आरोप लगाती रही है कि संरक्षित जंगलों और वन अभ्यारण में गैर-कानूनी तौर पर अफीम की खेती की जाती है जबकि आदिवासी इसे पैतृक जमीन बता कर सरकार की मंशा पर आपत्ति जता रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा मणिपुर में अनुच्छेद 355 लगा कर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी लेने का मतलब है कि स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है। इसका मतलब है कि राज्य सरकार कानून एवं व्यवस्था के मसले पर असफल रही है। कहते हैं कि कई महीनों से चिंगारी भड़क रही थी। कई बार सरकारी तंत्र स्थिति की गंभीरता आंकने में पूर्णतया असफल सिद्ध होता है। इस तरह के संघर्ष अनूठे नहीं हैं। मगर इनको सुलझाने में सिर्फ एहतियात बरते जाने से बात नहीं बनती, बल्कि दोनों पक्षों की भावनाओं और परंपराओं को भी समझना जरूरी होता है।

सूक्ति

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की।
- गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा-हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे .

महान योद्धा थे महाराणा प्रताप

रमेश सर्राफ धमोरा

महाराणा प्रताप मेवाड़ के शासक और एक ऐसे महान वीर योद्धा थे जिन्होंने कभी मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार नही की। महाराणा प्रताप जीवन पर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे और कभी हार नही मानी। उनका जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में सिसोदिया कुल में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदय सिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर था। महाराणा प्रताप अपने पच्चीस भाइयो में सबसे बड़े थे। इसलिए उनको मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाया गया।

महाराणा प्रताप के समय में दिल्ली पर अकबर का शासन था और अकबर की निती हिन्दू राजाओ की शक्ति का उपयोग कर दूसरे हिन्दू राजा को अपने नियन्त्रण में लेने की था। 1567 में जब राजकुमार प्रताप को उत्तराधिकारी बनाया गया उस वक्त उनकी उम्र केवल 27 वर्ष थी। उस वक्त मुगल सेना ने चित्तोड़गढ़ को चारो और से घेर लिया था। तब महाराणा उदयसिंह मुगलों से लडने के बजाय चित्तोड़गढ़ छोडकर परिवार सहित गोगुन्दा चले गये। महाराणा प्रतापसिंह फिर से चित्तोड़गढ़ जाकर मुगलों से सामना करना चाहते थे। लेकिन उनके परिवार ने चित्तोड़गढ़ जाने से मना कर दिया।

गोगुन्दा में रहते हुए महाराणा उदयसिंह और उसके विश्वासपात्रो ने मेवाड़ की अस्थायी सरकार बना ली थी। 1572 में महाराणा उदय सिंह अपने पुत्र प्रताप को महाराणा का खिताब दिया। उसके बाद उनकी मृत्यु हो गयी। वैसे महाराणा उदय सिंह अपने अंतिम समय में अपनी प्रिय रानी भटियानी के पुत्र जगमाल सिंह को राजगद्दी पर बिठाना चाहते थे। प्रताप ने अपने पिता की अंतिम इच्छा के अनुसार उसके सौतेले भाई जगमाल को राजा बनाने का निश्चय किया। लेकिन मेवाड़ के विश्वासपात्र चुंडावत राजपूतो ने जगमाल सिंह को राजगद्दी छोडने को बाध्य कर दिया। तब जगमाल सिंह ने बदला लेने के लिए अजमेर जाकर अकबर की सेना में शामिल हो गया और उसके बदले में उसको जहाजपुर की जागीर मिल गयी। इस दौरान राजकुमार प्रताप को मेवाड़ के 54 वे शासक के साथ महाराणा का खिताब मिला।

1572 में प्रताप सिंह मेवाड़ के महाराणा बन गये थे। लेकिन वो पिछले पांच सालो में चित्तोड़गढ़ नहीं गये थे। महाराणा प्रताप को अपने पिता के चित्तोड़गढ़ को पुनः देख बिना मौत हो जाने का बहुत अफसोस था। अकबर ने चित्तोडगढ़ पर तो कब्जा कर लिया था। लेकिन मेवाड़ का राज अभी भी उससे बहुत दूर था। अकबर ने कई बार अपने दूतो को महाराणा प्रताप से संधि करने के लिए भेजा। लेकिन महाराणा प्रताप ने संधि प्रस्तावों को ठुकरा दिया। 1573 में संधि प्रस्तावों को ठुकराने के बाद अकबर ने मेवाड़ का बाहरी राज्यों से सम्पर्क तोड़ दिया और मेवाड़ के सहयोगी दलों को अलग थलग कर दिया।

महाराणा प्रताप ने मुगलों से सामना करने के लिए अपनी सेना को अरावली की पहाडियों में भेज दिया। महाराणा युद्ध उस पहाड़ी इलाके में लड़ना चाहते थे जहां मेवाड़ की सेना थी। क्योंकि मुगल सेना को पहाड़ी ईलाके में युद्ध लड़ने का बिलकुल भी अनुभव नही था। पहाडियों पर रहने वाले भील भी राणा प्रताप की सेना के साथ हो गये। महाराणा प्रताप खुद जंगलो में रहने लगे ताकि वो जान सके कि स्वंत्रतता और अधिकारों को पाने के लिए कितना दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने पत्तल पर भोजन किया, जमीन पर सोये और दाढी नही बनाई। दरिद्रता के दौर में वो कच्ची झोपडियो में रहते थे जो मिटटी और बांस की बनी होती थी।

18 जून 1576 को महाराण प्रताप के 20 हजार और मुगल सेना के 80 हजार सैनिको के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू हो गया। उस समय मुगल सेना की कमान अकबर के सेनापति मान सिंह ने संभाली थी। महाराणा प्रताप की सेना मुगलों की सेना को खदेड़ रही थी। महाराणा प्रताप की सेना में झालामान, डोडिया भील ,रामदास राठोड़ और हाकिम खा सूर जैसे शूरवीर थे। मुगलों के पास तोंपे और विशाल सेना थी। लेकिन प्रताप की सेना के पास केवल हिम्मत और साहसी जांबाजो की सेना के अलावा कुछ भी नही था। महाराणा प्रताप के बारे में कहा जाता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच का वजन 72 किलो हुआ करता था। इस तरह वह भाला, कवच, ढाल और तलवारों को मिलाकर कुल 200 किलो का वजन साथ लेकर युद्ध करते थे।

इतिहासकार कर्नल टॉड ने हल्दी घाटी के युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपल्ली की संज्ञा दी है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप का स्वामी भक्त एवं प्रिय घोड़ा चेतक मारा गया। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बावजूद महाराणा प्रताप के यश और कीर्ति में कोई कमी नहीं आई। बल्कि हल्दी घाटी को इस युद्ध ने समूचे भारत के स्वाधीनता प्रेमियों के लिए पूजनीय क्षेत्र बना दिया। वहीं इस युद्ध ने महाराणा प्रताप को जननायक के रूप में सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध कर दिया।

हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के जीवन में जिस संकट काल का प्रारंभ हुआ वह लगभग दस वर्ष (1576-1586) तक चला और बीतते समय के साथ वह अधिक विषम होता चला गया। इस दौरान गोगुन्दा से दक्षिण में स्थित राजा गांव में महाराणा के परिवार को घास की रोटी भी नसीब नहीं हुई और एक बार वन विलाव उनके भूखे बच्चों के हाथ से घास की रोटी भी छीन कर ले गया था।

इस संकट के समय में महाराणा प्रताप के मंत्री भामाशाह और उनके भाई ताराचंद ने मुल्क मालवे से दण्ड के 25 लाख रूपए तथा 20 हजार स्वर्ण मुद्राएं उनकों भेंट कर अपनी स्वामी भक्ति का परिचय दिया। इस धन से उन्होंने पुनः सेना जुटाकर दिवेर को जीत लिया और चांवड पंहुचकर अपना सुरिक्षत मुकाम बनाया। मेवाड़ के बचे हुये भू भाग पर फिर से महाराणा का ध्वज लहराने लगा। बांसवाडा और डूंगरपुर के शासकों को भी पराजित कर प्रताप ने अपने अधीन कर लिया। अकबर के आक्रमक अभियानों की समाप्ति के बाद मेवाड़ में नए युग का सूत्रपात हुआ। महाराणा प्रताप ने एक वर्ष में ही चितौड़गढ़ और जहाजपुर को छोडकर सम्पूर्ण मेवाड़ पर सत्ता कायम कर ली। उन्होंने चांवड को अपनी राजधानी बनाकर सारे राज्य में शांति व्यवस्था कायम की।

महाराणा प्रताप कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ पीडितों और विद्वानों का आदर भी करते थे। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड मे चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी महाराणा प्रताप ने ही करवाया था। उनके दरबार में कई विख्यात चारण कवि थे। जिनमें कविवर माला सांदू और दुरासा आढा ने उनकी प्रंशसा में उच्च कोटि की काव्य रचना की। सादड़ी में जैन साधू हेमरत्न सूरि ने गोरा बादल-पद्मिनी चौपाई की रचना भी महाराणा प्रताप के समय ही की थी। महाराणा प्रताप ने चावंड को चित्रकला का केन्द्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड शैली का प्रारम्भ करवाया था।

महाराणा प्रताप ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में अपने पहले पुत्र अमर सिंह को सिंहासन पर बैठाया। महाराणा प्रताप शिकार के दौरान बुरी तरह घायल हो गये और उनकी 56 वर्ष की आयु में मौत हो गयी। उनके शव को 29 जनवरी 1597 को चावंड लाया गया। इस तरह महाराणा प्रताप इतिहास के पन्नो में अपनी बहादुरी और जनप्रियता के लिए अमर हो गये।

महाराणा प्रताप कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ पीडितों और विद्वानों का आदर भी करते थे। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड मे चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी महाराणा प्रताप ने ही करवाया था। उनके दरबार में कई विख्यात चारण कवि थे। जिनमें कविवर माला सांदू और दुरासा आढा ने उनकी प्रंशसा में उच्च कोटि की काव्य रचना की। सादड़ी में जैन साधू हेमरत्न सूरि ने गोरा बादल-पद्मिनी चौपाई की रचना भी महाराणा प्रताप के समय ही की थी। महाराणा प्रताप ने चावंड को चित्रकला का केन्द्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड शैली का प्रारम्भ करवाया था।

आलेख

भारत की बुलंद आवाज से गिरेगी आतंकवाद पर गाज

डॉ. भरत मिश्र प्राची

आतंकवाद मानव सभ्यता के लिये सबसे बड़ा खतरा है जिसका इतिहास काफी पुराना है, जो समाज के स्वयंभू आचरण वाले असमाजिक गिरोहों द्वारा स्वहित में उठाया अमानवीय कुकृत्य कर्म है जिसका शिकार आज विश्व स्तर पर सभी कौम के लोग है। जिसकी शुरूआत आज से 2 हाजार पूर्व बताई जा रही है जब से सिकारी उग्रपंथियों ने रोमनों और उससे सहानुभति रखने वाले लोगों को उनके स्थान से भगाना चाहा। आज यह विश्व स्तर की घटना बन चुकी है, जहां कोई किसी के लिये माने नहीं रखता। इस तरह की अमानवीय विश्व स्तर पर आतंकवाद की कई घटनाएं घटित हुई जिसमें प्रमुख घटनाएं 1920 में वॉल स्ट्रीट पर बमबारी,1925 में संत नेदेल्या चर्च पर हमला, 1979 में मक्का पर कब्जा, 1993 में मुम्बई बम कांड, 1998 में अमेरीकी दूतावास पर बमबारी, 2001 में अमेरीका के न्यूयॉक शहर के वर्ल्ड टेऊ्र सेंटर पर हमला ,2002 में बाली बम कांड, 2006 में मुम्बई के टेनों में बम बिस्फोट, 2007 में कराची पर बम हमला, बगदाद बमबारी, 2008 में मुंबई आतंकी हमला, 2014 में पेशावर आर्मी स्कूल पर हमला, 2015 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आतंकी हमला । इसके साथ कई एयर प्लेन अपहरण, मानव बम, टिफीन बम, अटैची बम आदि आतंकवादी हथियारों के अनेक निर्दोष मानव शिकार हुये है। इन आतंकवादियों का अपना ही समाज है जो मानवता के लिये सदैव अहितकारी रहे है जिन्हें पनपाने में आज भी विश्व स्तर पर फंडिग, हथियार देने का क्रम जारी है। इस आतंकवाद ने हमसे कई महान विभूतियों को छिन लिया है जिसकी भरपाई किसी भी कीमत पर कर पाना कतई संभव नहीं।

आतंकवाद अपने आप में अघोषित युद्ध हो गया है जिसका छद्म रूप युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। आये दिन देश या विदेश का कौन सा प्रभाग इसके चंगुल का शिकार हो जाय, कह पाना मुश्किल है। देश के भीतरी भाग में घटित आतंकवादी घटनाएं, युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। इस तरह के विनाशकारी परिवेश से आज हम कहीं भी अछूते नहीं रह गये हैं। जब से शांति पहल एवं पड़ौसी देश पाक से बेहतर संबंध बनाने की दिशा में सदियों से बंद पड़े रास्ते खोल दिये गये तब से देश के भीतरी भाग में आतंकवादी गतिविधियां सर्वाधिक सक्रिय होती दिखाई देने लगी। देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली जाली नोटों का देश में बड़े पैमाने पर विस्तार होता गया। इस तरह के निर्णय देश के हित में अहितकारी ही साबित हुए। जब-जब यह द्वार खुला है आतंकवादी घुसपैठियों की जमात देश के भीतरी तह तक आसन जमाती गई हैं। दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, मुम्बई जैसे अनेक चर्चित शहर इसके शिकार रहे हैं, देश की सर्वोच्च अस्मिता संसद भी इस तरह के परिवेश से अछूती नहीं रही।

आतंकवाद का विरोध सदा से भारत करता आ रहा है और आज भी कर रहा है। जिसकी मिसाल बतौर गोवा में विश्व स्तर पर आयोजित एस सी ओ के तहत हो रही विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत सरकार के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने उद्घाटन भाषण में आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुये कहा कि आज आतंकवाद पूरी दुनियां के लिये खतरा बन चुका है जिसपर हर हालत में रोक लगना जरूरी है। आतंकवाद से लड़ाई हमारी प्राथमिकता है और इसे जड़ से मिटाने के लिये संकल्पित है। आतंकवाद के खिलाफ सभी को मिलकर लड़ना होगा। आतंकवाद को सही ठहराना एवं इसे समर्थन देना हर हालत में गलत है। इसे किसी भी तरह की हो रही फंडिंग पर रोक लगना जरूरी है। आतंकवाद को अभी हराया नहीं जा सका है , इसे जड़ से मिटाने के लिये सभी की सहभागिता जरूरी है। यह सभी का दुश्मन है जिसे हर हालत में मानवता के हित में मिटाना जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की इस बुलंद आवाज की गाज निश्चित तौर पर आतंकवादियों पर गिरेगी, जिससे उनका मनोबल गिरेगा एवं दुनियां को एक दिन इससे राहत मिलेगी। (स्वतंत्र पत्रकार)

फेक न्यूज

तय हों निजी जिम्मेदारियां

ऋतुपर्ण दवे

जितनी रफ्तार से हम विज्ञान के साथ रचते-बसते और जीने की नई-नई तरकीबें सीखते जा रहे हैं, ठीक वैसे ही तमाम चुनौतियां मुंह बाएं आ खड़ी हैं।

वास्तव में यह दौर इंटरनेट मीडिया का है, जिससे हर हाथ को दुनिया तक अपने संदेशों को पहुंचाने की बड़ी ताकत मिली। अक्सर यही स्वतंत्रता के उपयोग और दुरुपयोग से झूठे संदेश या फेक न्यूज समाज, देश-दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन जाती हैं। इस पर लगाम या कहें झूठे प्रसार को लेकर भारत सहित दुनिया भर में तमाम जतन किए जा रहे हैं, लेकिन सच यही है कि यह बड़ी चुनौती है। अक्सर लोग उनके मोबाइल में आए या बनाए मैसेजों को बिना सोचे-समझे और बुद्धि-विवेक से काम लिए सीधे आगे बढ़ा देते हैं, या फॉर्वड कर देते हैं। बस, इसी खेल के चलते बेहद कामियाब इंटरनेट तकनीक बड़ी चुनौती बन गई है।

जब इंटरनेट नहीं था तब लोग अखबारों पर ही खबरों के लिए निर्भर थे। लोग पहले अखबारों को ढूंढ़ कर कतरनों की फोटो कॉपी करा प्रसारित करते थे। आज ठीक उलट है, जहां झूठी खबरें पलक झपकते ही लाखों लोगों द्वारा बिना सत्यता जांचे शेयर या ट्वीट-रिट्वीट हो जाती हैं। इसी आड़ में अक्सर लोग अपनी निजी दुश्मनी तक भंजा लेते हैं, और दुनिया झूठ के फरेब को काफी देर बाद समझ पाती है। लेकिन तक नफा-नुकसान का बड़ा खेल अपना गुल खिला चुका होता है। सोशल कहें या इंटरनेट मीडिया जो भी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जरिया मान लेना भी कुतर्क है क्योंकि इसका जितना बड़ा दायरा है, उतने ही बंधन। ऐसी स्वतंत्रता और अनाप-शनाप कुछ भी लिख, पढ़ और बोलने की आजादी किसी को नहीं है, जो किसी दूसरे के मान-सम्मान या निजता को चोट पहुंचाती हो। इसका ताजा उदाहरण हाल में राहुल गांधी की लोक सभा सदस्यता खत्म कर देने के उदाहरण से समझा जा सकता है।

अक्सर गैर-भरोसेमंद स्रेतों और आधी-अधूरी जानकारियों के चलते ही फेक न्यूज या झूठी खबर इतनी तेजी से फैलती यानी वायरल होती हैं कि अक्सर समझदार लोग भी गच्चा खा जाते हैं। कई मौकों पर देखने में आता है कि ऐसी खबरों से शहर से लेकर गांव और घर-घर लोग बेचैन हो जाते हैं। उत्तेजना फैल जाती है, और लोग और समूह बेसिर पैर की बातों के चलते गुस्से में आकर बड़ी-बड़ी घटनाएं तक कर बैठते हैं। ऐसे तमाम और दर्जनों क्या लाखों उदाहरण मिलेंगे जहां दुनिया भर में कई प्रांत और देश तक झूठी खबरों की झुलसन में बदहाल-बेहाल होते देखे गए। वाकई में सोशल मीडिया (स्ध्ब्द्बड्ड स्न्र्द्दद्बड्ड) एक ऐसा बिना बारूद का बम गोला बन चुका है, जिससे शहर के शहर आग के शोलों से जल उठते हैं।

सरकारों और जिम्मेदारों के लिए सूचना का यह सोशल तंत्र नॉन सोशल होकर वो रूप दिखाता है कि एक निर्जीव साधन जिंदा और समझदार लोगों की आपसी टकराहट में आग में घी और पेट्रोल का काम करता है। करीब सवा दो बरस पहले दुनिया ने खास उदाहरण देखा जिसमें दुनिया का दारोगा कहलाने वाले अमेरिकी संसद परिसर में हुई हिंसा के बाद माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पर्सनल अकाउंट को स्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया क्योंकि आशंका थी कि आगे भी उनके हैंडल से हिंसा के और भड़काने की जोखिम का खतरा था। उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भी अनिश्चितकाल तक के लिए अनिश्चितकाल तक के लिए सस्पेंड कर दिया। हालाकि पारदर्शिता की दुहाई देकर लगी रोक के बावजूद दुनिया में कहीं कोई फर्क दिखा नहीं।

अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में कमाई के नाम पर ब्लू टिक बेचकर झूठी शान-ओ-शौकत के दिखावे से आगे कितना कुछ घटेगा, अंदाजा मुश्किल है। अक्सर नीले और नारंगी सही लकीर वाले अकाउंट पाने की कशमकश रुपयों की गर्मी से खत्म हो गई। अब केंद्र सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2023 जो 2021 के संशोधन नियमों के साथ 6 अप्रैल, 2023 को जारी होते ही लागू हो गया है। जहां कई इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुछ कुठाराघात तो कई सोशल मीडिया में फेक न्यूज की पहचान करने के सरकार के अधिकार को सही मानते हैं।

हालाकि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का भी मानना है कि यह प्रेस की आजादी पर हमला है। अब इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक संस्था तय करेगी कौन सी सोशल मीडिया पोस्ट या खबर भ्रामक है। इसके दायरे में गूगल, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब से लेकर हर तरह की समाचार और गैर-समाचार कंपनियां आएंगी। सच तो यह है कि यह विशेषाधिकार कानून मध्यस्थ को उसके यूजर के किसी भी आपत्तिजनक सामग्री ऑनलाइन पोस्ट करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई होने से बचाता है, लेकिन फर्जी या गलत जानकारी को न हटाने की स्थिति में प्लेटफॉर्म्स भी जद में होंगे तथा कंटेंट को परोसने वाला यूजर तो दोषी होगा ही। यकीनन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सेवा देने वाले से ज्यादा सेवा लेने वाले की जिम्मेदारियों और सोच से ही समाज में सकारात्मक जिम्मेदारियां निभा सकता है।

टॉप फूड कम्बीनेशन्स रखेंगे आपको स्वस्थ

यहां हम आपको ऐसे फूड कम्बीनेशन्स के बारे में बता रहे हैं जो आपको स्वस्थ रखने में सहायक होंगें।

कम्बीनेशन - अंडे तथा आम
इससे आपको मिलती है - कठोर त्वचा।
कठोर तथा अच्छी त्वचा पाने के लिए बहुत से उत्पादों की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ कुछ अंडों तथा आमों का सेवन करें। अंडे एमीनो एसिड्स से भरपूर होते हैं जो त्वचा में कोलाजैन का निर्माण करने हेतु जरूरी होते हैं। आम में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो इन एसिड्स के साथ कोलाजैन के निर्माण को बढ़ाता है। यह कम्बीनेशन शरीर में से नष्ट हुए तत्वों को पुनः निर्मित करने में सहायक होता है जो महत्वपूर्ण ढंग से त्वचा की रंगत को सुधारते हैं।
सेवन - अपने अगले नाश्ते को और पोषक बनाने के लिए आमलेट के साथ एक कप ताजा आम की कतलियों का सेवन करें जिससे आपको पूरे दिन की विटामिन सी की आपूर्ति होगी।

कम्बीनेशन - लाल शिमला मिर्च तथा ब्लैक बीन्स
इससे आपको मिलती है - बढ़िया रोग प्रतिरोधक क्षमता।
सब्जी बाजार में ये बहुत अच्छे दिखते हैं और काफी महंगे भी होते हैं परन्तु इन्हें खरीदने का एक अच्छा कारण है। आप अपनी प्लेट में लाल शिमला मिर्च को शामिल करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले प्लांट आयरन का सेवन अधिक करते हैं। ब्लैक बीन्स में मौजूद आयरन शरीर के लिए जज्ब करना थोड़ा कठिन है। फिर भी विटामिन सी से भरपूर लाल शिमला मिर्च आयरन को ऐसी किस्म में बदल देती है जो शरीर के लिए इस्तेमाल करना आसान होता है।
सेवन - ऑनलाइन आपको बहुत सारी रैसिपीज मिल जाएंगी जो ब्लैक बीन्स को लाल शिमला मिर्च के साथ मिक्स करके आपको एक स्वादिष्ट भोजन देंगी।

कम्बीनेशन - एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - रोगों से बढ़िया सुरक्षा
टमाटरों में चार मुख्य कैरोटीनोएड्स यानी अल्फा कैरोटीन, बीटा कैरोटीन, ल्यूटीन तथा लाइकोपीन के साथ-साथ तीन मुख्य एंटीऑक्सीडैंट्स यानी बीटा कैरोटीन, विटामिन ई तथा विटामिन सी पाए जाते हैं जो आपकी कैंसर तथा हृदय रोग से लडने में सहायता करते हैं। यह रक्षात्मक कैमिकल्स एक्सट्रा वर्जिन ऑयल के साथ लिए जाएं तो बढ़िया हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल में स्वास्थ्यवर्धक मोनोसैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती हैं।
सेवन - टमाटर का छिलका न उतारें क्योंकि इसमें फाइटो कैमिकल्स होते हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल बहुत कम प्रसंस्कृत रूप होता है। इसलिए इसमें बहुत ही लाभदायक यौगिक मौजूद होते हैं। इसे ताप तथा रोशनी से दूर स्टोर करें।

कम्बीनेशन - हरी फूल गोभी तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - कैंसर से सुरक्षा।
हरी फूलगोभी तथा टमाटर में कैंसर से लडने वाले गुण मौजूद होते हैं परन्तु एक अध्ययन से पता चला है कि दोनों का कम्बीनेशन कैंसर से लडने में दोगुणा प्रभाव डालता है। विज्ञानियों ने शोध में पाया कि एक ही वक्त पर टमाटर तथा हरी फूल गोभी का सेवन करने से कैंसर युक्त प्रोस्टेट ट्यूमर्स के विकास की गति बहुत धीमी हो जाती है।
सेवन - डेढ़ कप हरी फूल गोभी का अढ़ाई कप ताजे टमाटरों के साथ पिकका या स्पाघेटी के साथ सेवन करें।

कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा नींबू
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
ग्रीन टी शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडैंट्स कैटेचिन्स का भरपूर स्रोत है जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए जाना जाता है। फिर भी अध्ययनों के अनुसार इन यौगिकों को सिर्फ 20 प्रतिशत ही मानवीय शरीर द्वारा जज्ब किया जाता है। ग्रीन टी में नींबू का रस मिलाने से पता चला है कि कैटेचिन्स का स्तर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।
सेवन - ग्रीन टी तैयार करने के बाद इसमें एक पूरे नींबू का रस निचोड़ें और पीएं।

कम्बीनेशन- जौ का दलिया तथा स्ट्राबेरीका
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
जौ में दो महत्वपूर्ण फाइटो कैमिकल्स ऐवेनैंथ्रामाइड्स तथा फिनोलिक एसिड्स पाए जाते हैं जो विटामिन सी के साथ मिलकर बुरे कोलेस्ट्रॉल के हानिकारक प्रभावों को कम करते हैं और प्लाक के निर्माण को रोक कर हृदयाघात से आपकी रक्षा करते हैं।
सेवन - सुबह के समय एक कटोरी जौ के दलिए के साथ आधा कप कटी हुई स्ट्रॉबेरीका का सेवन करें।

कम्बीनेशन - दालचीनी तथा होलग्रेन टोस्ट
इससे आपको मिलता है - अतिरिक्त ऊर्जा तथा तेजी से वजन कम होना।
टोस्ट पर दालचीनी छिड़कने से ब्लड शूगर एक स्वस्थ स्तर तक रह सकती है जिससे आपकी ऊर्जा में आने वाली कमी रुकती है और साथ ही आपकी भूख का स्तर भी बाधित होता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दालचीनी भोजन के बाद पेट के खाली होने की दर को धीमा करती है और साथ ही ब्लड शूगर के स्तर को भी कम करती है।
ऐसे करें सेवन - होलग्रेन ब्रैड, ट्रांस फी मारग्रीन तथा एक चम्मच दालचीनी का सेवन करें।

कम्बीनेशन - लहसुन तथा प्याज
इससे आपको मिलती है - पूरे शरीर की सुरक्षा।
इन दोनों सब्जियों में बहुत सारे ऑर्ग्रैनोसल्फर यौगिक तथा हृदय को स्वस्थ रखने वाले प्लांट कैमिकल्स पाए जाते हैं जो आपकी धमनियों को प्लाक से मुक्त रखते हैं। इन यौगिकों में से कुछ में शरीर में से कारसिनोजैन्स को डिटॉक्सीफाई करने की ताकत पाई गई है।
सेवन - अधिकतर भारतीय रसोइयों में लहसुन तथा प्याज का कम्बीनेशन आम देखने को मिलता है। फिर भी यदि आपका मूड कुछ और खाने का हो तो लहसुन तथा प्याज के कम्बीनेशन का सेवन सूप तथा सॉस के माध्यम से भी किया जा सकता है।

कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा काली मिर्च
इससे आपको मिलती है - अत्यधिक पतली कमर।
क्रैश डाइटिंग को भूल जाएं। अपने अगले भोजन में एक कप ग्रीन टी में थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर पीएं। इस कम्बीनेशन से ई.जी.सी.जी. नामक एंटीऑक्सीडैंट की खपत में बढ़ौतरी होती है। यह एंटीआक्सीडैंट ग्रीन टी में कैलोरी बर्निंग के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन टी में मौजूद यौगिक हार्मोन्स को प्रभावित कर सकते हैं जो भूख तथा संतुष्टि को नियंत्रित करते हैं।
सेवन - अध्ययनों से पता चला है कि आधा छोटा चम्मच काली मिर्च से ग्रीन टी के लाभदायक यौगिकों की खपत में बढ़ौतरी हो सकती है।

जब आपके घर हो किटी पार्टी

एक दिन पहले ही योजना बना लें

सारे काम समय पर और सही ढंग से हों, इसके लिए आपको एक दिन पहले ही योजनानुसार सारी सामग्री एकत्रित कर लेनी चाहिए और घर की साज-सजावट के अलावा पार्टी में खिलाने वाले गेम्स भी तैयार कर लें ताकि पार्टी वाले दिन इन छोटे-मोटे कामों को करने में समय बर्बाद ना हो।

ड्रेस तैयार करें

ऐसा ना हो कि पार्टी की तैयारी करते हुए आप अपनी ड्रेस के बारे में सोचना ही भूल जाएं। दूसरी महिलाओं के आगे आपकी चमक फीकी ना पड़ जाए। ऐसे में आप थीम के हिसाब से किटी के एक दिन पहले ही पहनने वाली ड्रेस तैयार कर लें।

खाने-पीने की चीजें पहले से बना कर रख लें

किटी पार्टी शुरू होने के बाद आप कम से कम समय किचन में बिताएं, इसके लिए जरूरी है कि पार्टी के लिए तैयार किए गए व्यजंनों को ऐसे बर्तनों में पहले से रख लें, जिसे माइक्रोवेव में गर्म किया जा सके।

गेम्स का भी हो मजा

किटी पार्टी में तंबोला के अलावा पेपर फोल्डिंग गेम्स के साथ-साथ हिंदी फिल्मी गानों पर गेम तैयार किए जा सकते हैं।

ऐसे हों आप तैयार

केले को अच्छे से मसलकर उसे 10 से 15 मिनट के लिए फीजर में रख दें, इसके अलावा आलू काटते समय आलू के रस को अपने हाथों पर रगड़ लें। 15 मिनट बाद फीजर में रखे हुए केले के पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा लें। 10 मिनट बाद चेहरे पर लगे पैक को ठंडे पानी से धो लें। किचन में खाना बनाते समय महिलाओं के हाथ पूरी तरह चिकनाई और हल्दी वाले हो जाते हैं। आलू का रस लगा लें। इससे हाथों की चिकनाई हटाने में मदद मिलती है।
सर्दी के मौसम में ब्लैक लेगिंग के साथ किसी भी गहरे रंग का लंबा स्वेटर और साथ में स्टोल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन दिनों चेहरे पर हल्का मेकअप ही अच्छा लगता है। सीनियर ब्यूटीशियन मोनिका का कहना है कि 10 मिनट चेहरे पर लगाया गया केले का पैक डेड स्किन हटाने का काम करता है। पार्टी शुरू होने से पहले चेहरे पर माइस्चराइजर में हल्का फाउंडेशन मिलाकर पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं । हल्का आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए हल्की रंग की लिपिस्टक लगाएं। नाखूनों पर भी हल्के रंग की नेल पॉलिश का इस्तेमाल करें।

पति का काम नहीं करेगा परेशान

रत्नेश अपने करियर में ऊंचाइयों को महसूस करना चाहता है। उसकी पत्नी रुचि का भी यही हाल है, दोनों करियर को बहुत ज्यादा तवज्जो देते हैं। पर दोनों में एक बड़ा अंतर है। दरअसल रुचि काम ऑफिस तक सीमित रखती है, जबकि रत्नेश वर्कोहोलिक की श्रेणी में आते हैं। मतलब सिर्फ काम और काम। वह घर पर हों या ऑफिस में, बात सिर्फ काम की ही करते हैं। न पत्नी के लिए समय और न घर के दूसरे कामों के लिए। कुछ समय पहले इसकी वजह से रुचि खुद को इग्नोर महसूस करने लगी थी। उसको लगने लगा था कि बस, नाम के लिए हम लोग दोस्त और फिर पति-पत्नी बने। अक्सर झगड़े भी होने लगे। पर फिर रुचि ने खुश रहने के कुछ तरीके तलाशे। उसने महसूस किया कि गुस्सा दिखाने की बजाय पति को सपोर्ट करना शायद ज्यादा बेहतर होगा। हो सकता है रुचि का दर्द ही आपका दर्द भी हो। तो आइए जानते हैं उसने आगे और क्या-क्या हल निकाले जो आपके भी काम आ सकते हैं।

जानती हैं उनके काम का नेचर?

इस सवाल का जवाब अगर ना है तो जरा इसे हां में बदलने के बारे में सोचिए। जानिए, आखिर आपके पति के काम का नेचर है कैसा, जो उनको इतना व्यस्त रखता है। कहीं उन्हें ऑफिस में कोई दिक्कत तो नहीं है, कहीं उन पर ही ज्यादातर काम की जिम्मेदारी तो नहीं है। हो सकता है, ऑफिस में सबसे जानकार आपके पति ही हों और इसीलिए उन पर ही सारे काम का बोझ हो। हां, यह सबकुछ जानने के बाद एक काम और करना होगा। उनके सारे काम में लगने वाले समय को जरूर जोडिए। जानिए, इन कामों में आमतौर पर समय कितना लगता है क्योंकि हो सकता है पतिदेव उसी काम में समय ज्यादा लगाते हों। यह सब जानकर या तो आप समझ जाएंगी कि पति सही कारण से ही इतना व्यस्त रहते हैं या फिर आपको उनकी कमियां पता चलेंगी, जिन्हें सुधारने में आप उनकी मदद कर सकती हैं।

घर हो एक आरामदायक जगह

पति घर आएं तो आपके चेहरे पर गुस्से के चलते बारह बजे हों और घर भी अस्त-व्यस्त हो, तो स्थितियां सुधरेंगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएंगी। ऐसे में जरूरी है कि आप घर का माहौल अच्छा रखें, ताकि जब पति काम की टेंशन से लौटें तो रिलैक्स महसूस कर सकें। खुद अच्छे से तैयार रहें और पति के खानपान और फिटनेस का ध्यान रखें।

आप संतुष्ट हैं?

हो सकता है साथ घूमने जाती सहेलियों को देखकर आपको महसूस होता हो कि 'अरे, बस मैं ही अकेली हूं।' पर जरा भावनाओं पर काबू कीजिए। सबकी जिंदगियां एक सी नहीं हो सकती हैं, सबकी अलग जिम्मेदारी और परिस्थितियां होती हैं और उन्हीं के हिसाब से लोग जिंदगी जीते हैं। इसलिए अकेलेपन वाली भावनाओं को मन में ही रखिए और पति को यह महसूस करवाइए कि आप हमेशा उनके साथ हैं। जब वो फुरसत में होंगे तो जरूर आपके अकेलेपन को महसूस करेंगे और सुधार की पूरी कोशिश करेंगे।

सुझाव तो दे सकती हैं

वो आपके जीवनसाथी हैं, आपने हर मुश्किल में साथ देने का वादा किया है तो उस वादे को निभाइए। वर्कोहोलिक होना उनकी आदत बन गई है, पर इससे वे शरीर और दिमाग दोनों से थक जाते हैं। यह वह समय है जब आपको अपने हिस्से का सपोर्ट दिखाना है। बैठकर पति से बात कीजिए, उनके मन की बातें जानिए, कोई दिक्कत है तो उन्हें सुझाव भी दीजिए।

खुश रहिए और खुश रखिए

जी हां, आप दोनों जितना भी वक्त साथ बिताते हैं उसे खास बनाइए। अपनी तरफ से तो आप इसकी कोशिश कर ही सकती हैं। दो घंटे मिलते हैं तो उसमें भी हंसी-मजाक की बातें, खुश करने के तरीके इन सबको आजमाइए। उन्हें बताइए कि हम दोनों जब साथ होते हैं तो खुश होते हैं। हम दोनों का साथ कितना कीमती और खास है। अपेक्षाओं को खत्म न सही पर कम तो करना ही होगा।

पति के पास काम के अलावा कोई काम नहीं है। उन्हें वर्कोहोलिक का तमगा मिला हुआ। पर यह तमगा आपको पसंद नहीं। हमेशा अकेली-अकेली रह रहकर आप थक चुकी हैं। कुछ पल जो साथ बिताते हैं, उनमें भी झगड़े होते हैं तो जरा इन पलों की कीमत समझिए और पति की मदद कीजिए। उन्हें समझिए और खुश रहिए।

देश में सोने का आयात 24 फीसदी घटकर 35 अरब डॉलर

- पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में पीली धातु का आयात 46.2 अरब डॉलर रहा था

नई दिल्ली ।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारत का सोने का आयात 2022-23 में 24.15 फीसदी की गिरावट के साथ 35 अरब डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में पीली धातु का आयात 46.2 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार अगस्त, 2022 से फरवरी, 2023 के दौरान सोने के आयात निगेटिव रहा। मार्च 2023 में यह बढ़कर 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले समान महीने में यह एक अरब डॉलर रहा था। हालांकि, बीते वित्त वर्ष में चांदी का आयात 6.12 फीसदर बढ़कर 5.29 अरब डॉलर पर पहुंच गया। सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। आयात और निर्यात का अंतर व्यापार घाटा कहलाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में व्यापार घाटा 267 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 191 अरब डॉलर रहा था। बाजार के विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने पर ऊंचे आयात शुल्क और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण पीली धातु के आयात में गिरावट आई है। भारत ने अप्रैल-जनवरी, 2023 के दौरान लगभग 600 टन सोने का आयात किया। ऊंचे आयात शुल्क की वजह से यह घटा है। सरकार को घरेलू उद्योग की मदद करने के लिए शुल्क के हिस्से पर विचार करना चाहिए। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है। सोने के आयात से देश के आभूषण उद्योग की मांग को पूरा किया जाता है। मात्रा के लिहाज से भारत सालाना 800-900 टन सोने का आयात करता है। बीते वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रत्न और आभूषण निर्यात 3 फीसदी घटकर लगभग 38 अरब डॉलर रहा है। चालू खाते के घाटे पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने पिछले साल सोने पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था।

भारत, कनाडा के व्यापार मंत्री एफटीए पर चल रही बातचीत की समीक्षा करेंगे

नई दिल्ली । भारत और कनाडा के व्यापार मंत्री दोनों देशों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी बातचीत की प्रगति की समीक्षा करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस दौरान दोनों नेता आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा करेंगे। बयान के मुताबिक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा की उनकी समकक्ष मैरी एनजी सोमवार को ओटावा में छठी भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्ता (एमडीटीआई) के लिए चर्चा की सह-अध्यक्षता करेंगी। एमडीटीआई एक द्विपक्षीय तंत्र है, जो व्यापार और निवेश संबंधी मुद्दों और सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा के लिए संस्थागत व्यवस्था मुहैया कराता है। बयान के मुताबिक चर्चा द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने, हरित रूपांतरण सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रित होगी।इस दौरान दोनों नेता भारत-कनाडा सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) पर जारी वार्ता की समीक्षा भी करेंगे।

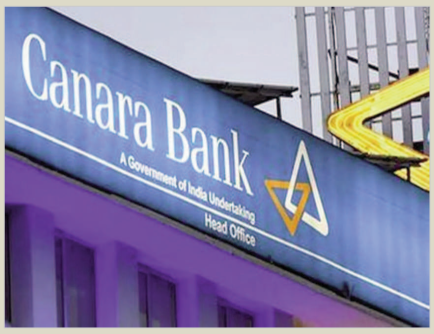

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 3,175 करोड़ रुपये पर

मुंबई । केनरा बैंक ने सोमवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ लगभग दोगुना होकर 3,174.74 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने बताया कि मुख्य रूप से उच्च ब्याज आय के कारण उसका मुनाफा बढ़ा। बैंक ने 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 1,666.22 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था। केनरा बैंक ने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में उसका कर पश्चात एकल शुद्ध लाभ 90.63 प्रतिशत बढ़कर 3,174.74 करोड़ हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,666.22 करोड़ था। मार्च 2023 तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 23.01 प्रतिशत बढ़ी। बैंक ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत आधार पर उसकी शुद्ध आय बढ़कर 3,232.84 करोड रही। यह आंकड़ा जनवरी-मार्च 2022 में 1,969.04 करोड़ रुपये था।

केपी एनर्जी की गुजरात में पवन ऊर्जा परियोजना शुरू

नई दिल्ली । केपी एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को गुजरात में 29.4 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह संयंत्र भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (एसईसीआई) द्वारा सौंपी गई 250.8 मेगावाट की आईएसटीएस संबद्ध पवन परियोजना क्षमता का हिस्सा है। कंपनी ने बताया कि केपी एनर्जी ने सिद्धपुर में 29.4 मेगावाट (चरण-2) की आईएसटीएस (अंतर राज्यीय पारेषण प्रणाली) से जुड़ी पवन ऊर्जा परियोजना को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। इस परियोजना में 14 पवन टरबाइन जनरेटर शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 2.1 मेगावाट है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज 2023-24 में 14,000 करोड़ की संपत्तियों की बिक्री करेगी

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज घरों की भारी मांग को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग में 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां बेचने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गोदरेज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि बिक्री बुकिंग, ग्राहकों से नकदी संग्रह, परियोजनाओं को पूरा करना और भविष्य की परियोजनाओं के लिए नए भूखंड जोड़ने जैसे विभिन्न मानकों पर कंपनी का 2022-23 में प्रदर्शन बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि बिक्री बुकिंग 2022-23 में 56 प्रतिशत वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 12,232 करोड़ रुपए रही। इनमें लगभग सभी आवासीय संपत्तियां थीं। उन्होंने बताया कि इस दौरान नकदी संग्रह 41 प्रतिशत वृद्धि के साथ 8,991 करोड़ रुपए रहा, जबकि परियोजनाओं की आपूर्ति रिकॉर्ड एक करोड़ वर्गफुट के आंकड़े पर पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लक्ष्यों के बारे में पिरोजशा ने कहा` कि हमने फिलहाल 14,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य तय किया है। उम्मीद है कि हम अपने वार्षिक लक्ष्य से बेहतर करेंगे। चालू वर्ष के लिए नकदी संग्रह का लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपए रखा है, जबकि घर सौंपने का लक्ष्य 1.25 करोड़ वर्गफुट रखा है। पिरोजशा ने कहा कि कंपनी की आवासीय परियोजनाओं की कीमत पिछले वित्त वर्ष औसतन 10 प्रतिशत बढ़ गई और इस चालू वर्ष में इसमें और बढ़ोतरी की संभावना है।

पेटीएम के शेयर में 5.2 प्रतिशत का उछाल

मुंबई । पेमेंट वॉलेट एप वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) के शेयर में सोमवार को जरबदस्त तेजी दिखाई दी है। कंपनी का शेयर 5.2 प्रतिशत चढ़कर 722 रुपये के पार पहुंच गया है। बाजार जानकार शेयर का भाव 1000 रुपए के पार जाने का अनुमान लगा रहे हैं। पेटीएम का घाटा मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में घटकर 167.5 करोड़ रह गया है। वहीं, एक साल पहले की अवधि में यह 762.5 करोड़ रुपए था। परिचालन से समेकित राजस्व चौथे वितीय साल 22 में 1,540.9 करोड़ से चौथे वितीय साल 23 में 51.5 प्रतिशत बढ़कर 2,334.5 करोड़ रुपए हो गया। जानकारों का कहना है कि घाटा घटने से कंपनी जल्द मुनाफे में आ सकती है। इसके चलते पेटीएम के शेयर पिछले एक साल में 11.5 प्रतिशत और पिछले एक महीने में 27 प्रतिशत उछल गया है। बता दें कि पेटीएम का आईपीओ 2,080-2,150 रुपए में आया था। उसके बाद शेयर में 70 फीसदी की गिरावट आ गई थी, जिससे इसमें निवेश करने वाले निवेशकों को भारी नुकसान हुआ था। गोल्डमैन सैक्स ने पेटीएम के शेयर के लिए 12 महीने का टारगेट प्राइस 1,150 रुपए सेट किया है। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने कहा, हम अपनी खरीद रेटिंग पर डटे हुए हैं। हम मानते हैं कि पेटीएम की मौजूदा शेयर कीमत भारत के सबसे बड़े और सबसे लाभदायक फिनटेक प्लेटफार्मों में से एक है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 710 अंक उछला

निफ्टी 18 हजार के ऊपर निकला

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में भारी खरीददारी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 709.96 अंक करीब 1.16 फीसदी बढ़कर 61,764.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,854.19 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 61,166.09 अंक तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 195.40 अंक तकरीबन 1.08 फीसदी उछलकर बंद 18,264.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,286.95 तक उछलने के बाद 18,100.30 तक फिसला।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 27 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयरों को सबसे अधिक 4.92 फीसदी लाभ हुआ। इसके अलावा टाटा मोटर्स, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयरों को भी लाभ हुआ।

वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 3 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सन फार्मा के शेयर सबसे अधिक करीब 0.89 फीसदी तक गिरे, इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो और नेस्ले इंडिया के शेयर भी नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार में बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 323.3 अंक की बढ़त के साथ 61,102.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 80.00 अंक की बढ़त के साथ 18155.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 48.59 अंक की बढ़त के साथ 61,102.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 47.45 अंक की बढ़त के साथ 18116.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ग्लोबल मार्केट से आज हफ्ते के पहले कारोबारी दिन संकेत अच्छे मिल मिले। एसजीएक्स निफटी बढ़त पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं एशियाई बाजार में भी मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है।

भारत का कोयला आयात 2022-23 में बढ़कर 16.2 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

भारत का कोयला आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 30 प्रतिशत बढ़कर 16.24 करोड़ टन हो गया। यह आंकड़ा इससे पिछले वित्त वर्ष में 12.5 करोड़ टन था। ताजा रिपोर्ट में कहा कि कोकिंग कोल का आयात 2022-23 में 5.44 प्रतिशत बढ़कर 5.44 करोड़ टन हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 5.16 करोड़ टन था। मार्च 2023 में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.38 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल इसी महीने में 1.26 करोड़ टन था। मार्च 2023 में कोकिंग कोल का आयात 39.6 लाख टन रहा, जो मार्च 2022 में 47.6 लाख टन था। भारत दुनिया के शीर्ष पांच कोयला उत्पादक देशों में शामिल है। हालांकि, देश को कोयले की आवश्यकता के कुछ हिस्से को आयात के जरिए पूरा करना पड़ता है, देश कोकिंग कोल के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से इस्पात बनाने में होता है। भारत में कोयले की लगातार उच्च मांग के साथ ही विदेश में कीमतें कम होने से मार्च में आयात बढ़ा। उन्होंने कहा कि ये रुझान आने वाले महीनों में जारी रह सकते हैं, क्योंकि इस बार गर्मी में तापमान औसत से अधिक रहने का अनुमान है।

कार विनिर्माता स्कोडा ऑटो अगले साल भारत का प्रमुख निर्यात केंद्र बन जाएगा अधिकारी

मुंबई ।

कार विनिर्माता स्कोडा ऑटो ने कहा है कि अगले साल भारत कंपनी के लिए प्रमुख निर्यात केंद्र बन जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह अगले साल से वियतनाम में असेंबली के लिए वाहन किट का निर्यात शुरू करने के लिए तैयार है। स्कोडा ऑटो की बिक्री 2022 में 125 प्रतिशत वृद्धि के साथ 53,721 इकाई थी। कंपनी को इस साल भी बिक्री में दो अंकों की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसी तरह फॉक्सवैगन समूह की बिक्री पिछले` वित्तीय वर्ष में वार्षिक आधार पर 85.48 प्रतिशत बढ़कर 1,01,270 इकाई रही। स्कोडा ऑटो वोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के तहत स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, पोर्श और लेम्बोर्गिनी जैसे ब्रांड आते हैं। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पेट्र सॉल्क ने कहा कि स्कोडा ऑटो के लिए निश्चित रूप से भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है और भारत स्कोडा के लिए एक निर्यात केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले साल से हम वियतनाम में असेंबली के लिए वाहन किट निर्यात करना शुरू कर देंगे। फॉक्सवैगन पहले ही भारत से मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका को वाहनों का निर्यात कर रहा है, जबकि स्कोडा ऑटो मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका को निर्यात कर रहा है।

आरआर काबेल ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा कराए दस्तावेज

- आईपीओ के तहत 225 करोड़ रुपए तक के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली ।

देश की पांचवीं सबसे बड़ी ब्रांडेड तार और केबल बनाने वाली कंपनी आरआर काबेल अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। ड्राफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) के मुताबिक आईपीओ के तहत 225 करोड़ रुपए तक के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और प्रोमोटर और अन्य शेयरहोल्डर्स 1.72 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में महेंद्रकुमार रामेश्वरलाल काबरा, हेमंत महेंद्रकुमार काबरा, सुमीत महेंद्र कुमार काबरा, काबेल बिल्डकॉन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और राम रतन वायर्स लिमिटेड हैं।

इनके अलावा अमेरिका की निजी इक्विटी फर्म टीपीजी कैपिटल भी ओएफएस के अंतर्गत कंपनी में अपनी आंशिक हिस्सेदारी बेचेगी।

आरआर काबेल में टीपीजी कैपिटल की 21 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी नए शेयरों से जुटाई गई 170 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग बैंकों और वित्तीय संस्थानों के कर्ज को आंशिक या पूरी तरह कर्ज चुकाने में करेगी। कंपनी भारतीय कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्री में एक अग्रणी कंपनी है। आरआर ग्लोबल ग्रुप की इकाई आरआर काबेल ने वित्त वर्ष 2021-22 में 214 करोड़ रुपए का मुनाफा 4,386 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया। बीते वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तीन तिमाहियों के लिए कंपनी ने 125 करोड़ रुपए का मुनाफा और 4,083 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया।

गो फर्स्ट का एनसीएलटी से जल्द फैसला करने का अनुरोध

मुंबई ।

संकट से जूझ रही एयरलाइन गो फर्स्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से अनुरोध किया कि उसकी स्वैच्छिक दिवाला समाधान याचिका पर जल्द फैसला करे। इस बीच पट्टेदारों ने एयरलाइन के विमान का पंजीकरण रद्द करना शुरू कर दिया है। न्यायाधिकरण ने चार मई को गो फर्स्ट की याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता पी नागेश ने प्रांजल किशोर के साथ रामलिंगम सुधाकर की अध्यक्षता वाली प्रधानपीठ के समक्ष सुबह मामले का उल्लेख किया। उन्होंने न्यायाधिकरण से अनुरोध किया कि उसकी याचिका पर जल्द फैसला किया जाए, क्योंकि पट्टेदारों ने एयरलाइन के विमान का पंजीकरण रद्द करना शुरू कर दिया है। पीठ ने गो फर्स्ट के अनुरोध पर विचार करने की बात कही। पट्टेदारों ने 20 से अधिक विमानों का पंजीकरण रद्द करने की मांग की है। वाडिया समूह की फर्म ने स्वैच्छिक दिवाला समाधान याचिका दायर करने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से संपर्क किया है। गो फर्स्ट पिछले 17 वर्षों से उड़ान भर रही है और 15 मई तक टिकटों की बिक्री को निलंबित कर दिया है।

कच्चा तेल महंगा, कई राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

- ब्रेंट क्रूड 3.86 फीसदी की बढ़त के साथ 75.30 डॉलर पर

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को जोरदार तेजी दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.05 फीसदी बढ़कर 71.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 3.86 फीसदी की बढ़त के साथ 75.30 डॉलर है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पंजाब में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। तमिलनाडु में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 13 पैसे और डीजल 12 पैसे सस्ता होकर बिक रहा है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.95 रुपए और डीजल 94.70 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अमेरिका गोल्ड रिजर्व के मामले में नंबर वन

- दुनिया के 10 देशों के पास है सबसे अधिक सोना, 9वें नंबर पर है भारत

नई दिल्ली ।

सोने के भाव इन दिनों सार्वजेनिक उच्च स्तर के करीब है। दुनिया के लगभग सभी देश सोना जमा करके रखते हैं। गोल्ड रिजर्व हर देश की महत्वपूर्ण संपत्ति होती हैं क्योंकि ये आर्थिक संकट के दौरान उन्हें बचाने के काम में आता है। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनियाभर के देशों के पास गोल्ड रिजर्व की सूची जारी की है। दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका गोल्ड रिजर्व के मामले में भी टॉप पर है। 8,133 मीट्रिक टन सोने के साथ उसके पास दुनिया में सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व है। जर्मनी के पास 3,355 मीट्रिक टन सोने का भंडार मौजूद है। इस तरह सोने के भंडार के मामले में जर्मनी दूसरे स्थान पर है। यूरोपीय देश इटली गोल्ड रिजर्व के मामले में दुनिया में तीसरे नंबर पर आता है। उसके पास 2,452 मीट्रिक टन सोने का भंडार है। फ्रांस चौथे नंबर पर है। उसके पास 2,437 मीट्रिक टन गोल्ड रिजर्व है। सूची में रूस गोल्ड रिजर्व मामले में पांचवें नंबर पर आता है। उसके पास 2,299 मीट्रिक टन गोल्ड रिजर्व है। चीन 2,011 मीट्रिक टन गोल्ड रिजर्व के साथ इस सूची में छठे स्थान पर है। 1,040 मीट्रिक टन गोल्ड रिजर्व के साथ स्विट्जरलैंड सातवें नंबर पर है। गोल्ड रिजर्व के मामले में जापान आठवें स्थान पर है और उसके पास 846 मीट्रिक टन सोना है। इस सूची में भारत नौवें स्थान पर है। भारत के पास 787 मिट्रिक टन गोल्ड रिजर्व है. 612 मीट्रिक टन सोने के भंडार के साथ नीदरलैंड दसवें नंबर पर है। पाकिस्तान के पास महज 64 मिट्रिक टन गोल्ड रिजर्व है।

आईपीएल में आज मुम्बई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में होगी टक्कर

मुंबई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस टीम मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में जीत के साथ ही प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। मुम्बई को इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर उसकी राह आसान नहीं है क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा फार्म में नहीं हैं। इसके अलावा अंतिम ओवरों में भी अब तक टभ्म की गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। रोहित ने अभी तक 10 मैचों में 18.39 की औसत से केवल 184 रन बनाए हैं। यह लगातार दूसरा सत्र है जब वह रन नहीं बना पा रहे हैं। मुंबई की टीम अभी अंक तालिका में छठे स्थान पर है पर जीत के लिए उसके सभी खिलाड़ियों का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इस आईपीएल में रोहित की भूमिका शीर्ष क्रम में टीम को तेज शुरुआत देना है जिसमें वह कुछ मैचों में ही सफल रहे हैं। इसके बाद उनकी प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। उनकी शुयआत में आउट होन से मध्यक्रम पर जरुरत से ज्यादा दबाव पड़ता है जिससे वह बिखर जाता है। मुंबई के लिए राहत की बात यह है कि शीर्ष क्रम में उसके पास ईशान

किशन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और टिम डेविड जैसे खिलाड़ी हैं जो रन भी बना रहे हैं जिसके कारण टीम अब भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। मुंबई ने पिछले मैच में उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा पर वह असफल रहे थे। रोहित के अलावा मोटी रकम देकर खरीदे गये कैमरुन ग्रीन भी अब तक असफल रहे हैं। अब उन्हें रन बनाने होंगे। रोहित की फॉर्म के अलावा मुंबई के लिए डेथ ओवरों में प्रभावहीन गेंदबाजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। टीम के गेंदबाजों का विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं है। इसी कारण चार मैचों में ही 200 से अधिक रन बने हैं।

वहीं दूसरी ओर आरसीबी के पास विराट कोहली, फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। विराट ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाया था हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। पिछले मैच में आरसीबी की ओर से महिपाल लोमरोर ने भी 54 रन बनाये थे। कप्तान डुप्लेसी ने अभी तक इस सत्र में 511 रन बनाए हैं पर उसके विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक लय में नहीं हैं जिससे वह फिनिशर की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज ने अब तक सबसे अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा जोश हेजलवुड के शामिल होने से भी आरसीबी की गेंदबाजी बेहतर हुई है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन (विकेटकीपर), डुआन जानसेन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: फाफ डुप्लेसी (कप्तान), आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सिद्धार्थ कौल, विराट कोहली, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज़ अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक, केदार जाधव।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित, सविता करेंगी कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 18 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारतीय टीम अपने इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी। यह दौरा हांगझू एशियाई खेलों की तैयारियों के सिलसिले में किया जा रहा है। गोलकीपर सविता को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है जबकि दीप ग्रेस एक्का टीम की उपकप्तान होंगी।

बिछु देवी खारीबम टीम में शामिल दूसरी गोलकीपर हैं। रक्षा पंक्ति में दीप ग्रेस एक्का, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, उदिता और गुरजीत कौर को टीम में शामिल किया गया है। निशा, नवजोत कौर, मोनिका, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, ज्योति और बलजीत कौर मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। अनुभवी वंदना कटारिया अग्रिम पंक्ति की अगुवाई करेंगी, जिसने लालरेमसियामी, संगीता कुमारी और शर्मिला देवी भी शामिल हैं।

भारत की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा- दो कड़े अभ्यास सत्र के बाद हम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम बेहद मजबूत है और हम आक्रामक हॉकी खेलना पसंद करेंगे। हमारी कड़ी परीक्षा होगी और हम अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत रखकर उनकी तेजी और आक्रामकता की बराबरी करना चाहेंगे। भारत 18, 20 और 21 मई को ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा जबकि इसके बाद 25 और 27 मई को ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा। सभी पांचों मैच एडिलेड के मेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईपीएल में नंबर-1 गेंदबाज बने चहल, ब्रेवो दूसरे नंबर पर फिसले

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में चार विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। चहल आईपीएल में सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के पूर्व तेज गेंदबाज ड्वेन ब्रावो के साथ संयुक्त रुप से शीर्ष पर हैं। चहल ने ब्रावो के 183 विकेटों की बराबरी की है। चहल और ब्रेवों दोनों के अब बराबर विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के कारण चहल नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं।

चहल ने आईपीएल में खेले अभी तक 142 मुकाबलों में 7.65 की इकॉनमी और 16.94 के स्ट्राइक रेट से ये विकेट लिए हैं। वहीं ब्रावो ने 161 मैचों में 8.38 की इकॉन्मी के साथ ही यह उपलब्धि अपने नाम की है। चहल ने सबसे कम 142 मैच में अपने नाम कुल 183 विकेट किए है। आईपीएल में 4 विकेट लेने का

करनामा उन्होंने 2 बार किया। इकोनॉमी रेट की बात करें तो वह 8.38 की रही है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रावो हैं। चहल से ज्यादा मैच 161 खेलने के कारण वह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। उन्होंने 5 बार 4 विकेट लिए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष-5 गेंदबाजों में चार भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं और ये सभी स्पिनर हैं। इस सूची में चहल के अलावा सबसे अधिक अनुभवी पीयूष चावला 174 विकेट, अमित मिश्रा 172 विकेट और रविचंद्रन अश्विन 171 विकेट भी शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: ईशान किशन को टीम इंडिया में किया गया शामिल, केएल राहुल की लेंगे जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल के जांघ की चोट के कारण बाहर होने के बाद ईशान किशन को भारत की 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंतिम टीम में शामिल किया गया है। किशन को केएस भरत के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टिम में शामिल किया गया है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का फाइनल 7 से 11 जून तक लंदन के द ओवल में रिजर्व डे के साथ खेला जाएगा। 1 मई को लखनऊ सुपरजायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच आईपीएल 2023 के मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण के दौरान राहुल को दाहिनी जांघ में चोट लग गई थी। किशन और केएस भरत टीम में दो विकेटकीपर हैं।

भारत की चोटों का कहर शायद यहीं खत्म नहीं हो रहा है, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दो स्टार तेज गेंदबाजों पर चिंताजनक अपडेट दिया है। दोनों तेज गेंदबाजों को चल रहे 2023 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान चोट लगी थी। जयदेव उनादकट के नेट्स में गेंदबाजी करते हुए साइड रोप पर फिसलने से बाएं कंधे में चोट लग गई। एक विशेषज्ञ परामर्श मांगा गया है और बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में है और अपने कंधे के लिए स्ट्रेंथ और रिहैब सत्र से गुजर रहा है। उमेश यादव को 26 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच टाटा आईपीएल 2023 के मैच 36 के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में मामूली चोट लगी थी।

रोहित के आईपीएल में खराब प्रदर्शन का असर डब्ल्यूटीसी में भी पड़ेगा : गावस्कर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा के खराब प्रदर्शन पर चिन्ता जताते हुए कहा कि इसका प्रभाव अगले माह जून में इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले में भी उनकी बल्लेबाजी पर पड़ेगा। डब्ल्यूटीसी के खिताबी मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। इसमें अब ज्यादा समय नहीं रह गया है। वहीं रोहित आईपीएल के इस सत्र के 10 मैचों में कुल 184 रन ही बना पाए हैं। वहीं अंतिम चार मैचों की बात करें तो वह दो बार शून्य पर ही पेवेलियन लौटे थे। इसके अलावा अन्य मुकाबलों में भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाये।

नोबाल के कारण पलटा मैच : सैमसन

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल लीग मुकाबले की अंतिम गेंद पर मिली हार पर निराश जतायी है। सैमसन ने कहा कि यह मैच उनकी टीम के हाथ में आ गया था पर एक नोबाल ने सब बेकार कर दिया। इस मैच में राजस्थान से मिले जीत के 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद के बल्लेबाज अब्दुल समद ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस मैच में राजस्थान को उसके गेंदबाज संदीप शर्मा की एक गलती भारी पड़ गयी। संदीप ने अंतिम ओवर की अंतिम गेंद नोबाल कर दी थी। सैमसन ने कहा कि नो बॉल के कारण परिणाम बदल गया। साथ ही कहा कि यही ईपीएल है और इस तरह के मैच आईपीएल को विशेष बनाते हैं। सैमसन ने कहा, आईपीएल आपको यही देता है, इस तरह के मैच आईपीएल को खास बनाते हैं। आप कभी भी ऐसा महसूस नहीं कर सकते कि आपने खेल जीत लिया है। मुझे पता था कि कोई भी प्रतिद्वंद्वी इसे जीत सकता है और वे अच्छी बल्लेबाजी भी कर रहे थे पर मुझे अंतिम ओवर में संदीप पर भरोसा था। उसने हमें ऐसी ही स्थिति में सीएसके के खिलाफ जीत दिलायी थी। उसने आज फिर ऐसा किया पर उस नो-बॉल ने जीत हमने छीन ली।

आईसीसी रैंकिंग : पाक टीम 48 घंटे ही रह पायी शीर्ष पर

मुम्बई । भारतीय टीम ने आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पाकिस्तान को दो दिनों के अंदर ही पछाड़कर एक बार फिर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। पाक टीम केवल 48 घंटे तक ही नंबर एक स्थान पर रह पायी। वहीं पाक टीम गत 5 मई को एकदिवसीय में भारत और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान पर आ गयी थी। इस पर पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी खुशी जतायी थी। इसके दो दिनों बाद ही 7 मई को भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर दूसरे नंबर पर पहुंच गयी। वहीं पाक अपने पहले के स्थान तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के चौथे मुकाबले में पाक टीम ने न्यूजीलैंड को 102 रनों से हराकर नंबर एक स्थान हासिल कर लिया था। उस समय भारतीय टीम तीसरे नंबर पर फिसल गई थी। इस पर पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी ट्वीट करते हुए अपनी टीम को बधाई दी थी पर उनकी खुशी ज्यादा देर तक नहीं रह पायी। रविवार रात को हुए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पाक को 47 रनों से हराकर एक बार फिर पहले वाली रैंकिंग तीसरे नंबर पर खिसका दिया। पाक के अब 112 रेटिंग अंक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम 113 अंकों के साथ नंबर एक पर पहुंच गई, जबकि भारतीय टीम उतने ही रेटिंग अंकों के साथ ही दूसरे नंबर पर खिसक गयी है।

विश्वकप के लिए पाक टीम को भारत भेजने के लिए पीसीबी ने रखी ये शर्त

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस सात के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भाग ले सकती है पर उसकी एक शर्त भी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चाहता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2025 में पाक में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में भाग पर अपनी सहमति दें। स्थानीय मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी इस साल एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह से एक लिखित करार चाहते हैं। जिसमें ये रहेगा कि उनके देश में 2025 में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम भाग लेगी। अगर बीसीसीआई ये बात मान लेता है तो पाक टीम भारत का दौरा कर सकती है। इस साल पांच अक्टूबर से होने वाले विश्व कप के लिए बीसीसीआई ने पाक के मैचों के लिए अहमदाबाद , बेंगलुरु और कोलकाता को मैच स्थल के रूप में रखा है।

वहीं जय शाह की अध्यक्षता वाले एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने पाक में होने वाले एशिया कप के लिए प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल पर सहमति अभी तक नहीं दी है। हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम अपने मैच यूएई में

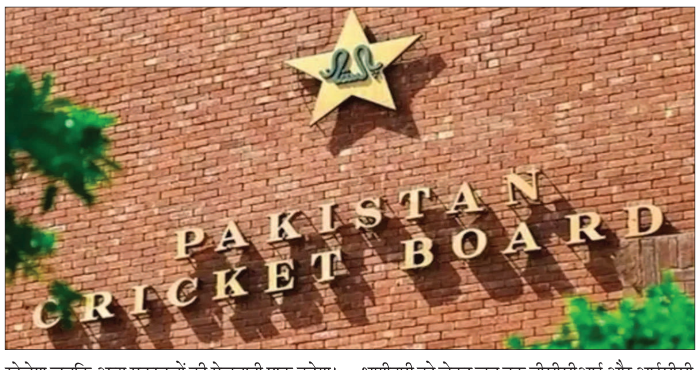

खेलेगा जबकि अन्य मुकाबलों की मेजबानी पाक करेगा। सेठी अब दुबई के लिए रवाना होने वाले हैं, जहां वह एसीसी और आईसीसी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि अपनी दुबई यात्रा के दौरान सेठी पीसीबी के लिए समर्थन हासिल करने का भी प्रयास करेंगे। उनका कहना है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की भागीदारी को लेकर जब तक बीसीसीआई और आईसीसी लिखित गारंटी नहीं देते तब तक पाकिस्तान भारत में अपने विश्व कप मैच नहीं खेलेगा। पीसीबी चाहता है कि एशिया कप लाहौर और दुबई (हाईब्रिड मॉडल) में हो। जिससे भारतीय टीम भी उसमें शामिल हो हालांकि बीसीसीआई ने अभी इसपर अपनी सहमति नहीं दी है।

तेपे सिगमन सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज – गुकेश को हराकर अर्जुन नें की वापसी

मालमो,स्वीडन । तेपे सिगमन सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दो हार के बाद ख़िताबी दौड़ मैं काफी पीछे नजर आ रहे दूसरे वरीय भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें चौथे राउंड मैं टूर्नामेंट मैं सबसे आगे चल रहे हमवतन डी गुकेश पर जोरदार जीत दर्ज करते हुए वापसी की है । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए अर्जुन नें राय लोपेज ओपनिंग से खेल की शुरुआत की और गुकेश नें अपने चित परिचित अंदाज मैं अपने राजा की ओर से ही आक्रमण शुरू कर दिया पर अर्जुन की तेज चालों नें गुकेश को समय मैं काफी पीछे छोड़ दिया और खेल की 32 वी चाल मैं जब गुकेश की घड़ी मैं सिर्फ 2 मिनट रह गए वह ऊंट की गलत चाल चल गए और फिर अर्जुन नें अपना हाथी बलिदान करते हुए 38 चालों मैं बाजी अपने नाम कर ली । चौथे राउंड के अन्य तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे , के अभिमन्यु मिश्रा नें स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस से , जर्मनी के विन्सेंट केमर नें इज़राइल के बोरिस गेलफंड और रूस के पीटर स्वीडलर नें नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट से मुक़ाबला ड्रॉ खेला । अब अगले राउंड मैं गुकेश के सामने अभिमन्यु मिश्रा तो अर्जुन के सामने जॉर्डन होंगे ।

मैड्रिड ओपन : यान लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर अल्कराज ने का खिताब बरकरार रखा

मैड्रिड। कार्लोस अल्कराज ने तीन सेट तक चले मुकाबले में यान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और फिर से विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनने की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन का यह 20 वर्षीय खिलाड़ी अगर रोम में इटालियन ओपन का एक मैच भी खेल देता है तो वह फ्रेंच ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेगा। रविवार को खेले गए फाइनल में दूसरा सेट गंवाने के बाद अल्कराज ने तीसरे सेट में पहले मैच प्वाइंट पर ही जीत दर्ज की। यह उनकी इस सत्र में 29वीं जीत है। वह राफेल नडाल के बाद मैड्रिड ओपन में लगातार चैंपियन बनने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस बीच विक्टोरिया अजारेंका और बीट्रिज हद्दाद माइया नेकोको गॉफ और जेसिका पेगुला कीशीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिकी जोड़ी को को 6-1, 6-4 से हराकर महिला युगल का खिताब जीता।

आर्सेनल जीता, मैनचेस्टर यूनाइटेड को मिली हार

लंदन। आर्सेनल ने न्यूकासल को2-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में खिताबी दौड़ को रोमांचक बनाए रखा। आर्सेनल के इस जीत से 35 मैचों में 81 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे है। सिटी के 34 मैचों में 82 अंक हैं। मार्टिन ओडेगार्ड ने 14वें मिनट में गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिला दी थी। इसके बाद 71वें मिनट में फैबियन शार ने आत्मघाती गोल किया। इस बीच मैनचेस्टर यूनाइटेड को वेस्ट हैम के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। वेस्ट हैम की तरफ से मैच का एकमात्र गोल सैद बेनरहमा ने 27वें मिनट में किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड इस हार के बावजूद चौथे स्थान पर बना हुआ है।

एशियाई चैंपियनशिप में अजित नारायण और अचिंता श्युली 73 किग्रा के ग्रुप बी में शीर्ष दो स्थान पर रहे

जिन्जू(एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और अचिंता श्युली सोमवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की पुरुषों की 73 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप बी में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे। अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे अजित ने कुल 307 किग्रा (139 किग्रा + 168 किग्रा) का भार उठाया, जबकि अचिंता केवल 305 किग्रा (140 किग्रा + 165 किग्रा) का कुल भार ही उठा सके। भारत के इन दोनों भारोत्तोलकों को उनके शुरुआती भार के आधार पर ग्रुप बी रखा गया था। भारोत्तोलन में अधिकतम शुरुआती भार रखने वाले खिलाड़ियों को ग्रुप ए और उसके बाद के खिलाड़ियों को ग्रुप बी में रखा जाता है।

मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन अजीत ने अपने शुरुआती दो स्नैच प्रयासों में 135 किग्रा और 139 किग्रा भार उठाया, लेकिन 141 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में विफल रहे। उन्होंने इसी तरह क्लीन एंड जर्क में 171 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में लड़खड़ाने से पहले 164 किग्रा और 168 किग्रा का भार आसानी से उठाया। मांसपेशियों में खिंचाव की चोट से उबर रहे अचिंता अपने छह प्रयासों में केवल तीन वैध भार उठा सके। जूनियर विश्व चैंपियनशिप (2021) के रजत पदक विजेता ने अपने दूसरे प्रयास में स्नैच में 140 किग्रा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस वर्ग में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 143 किग्रा है। वह क्लीन एंड जर्क वर्ग 164 किग्रा का भार उठाने के बाद 169 किग्रा और 171 किग्रा के प्रयास में विफल रहे। भारतीय दल इस प्रकार इस प्रतियोगिता से तीन रजत पदक के साथ लौटा।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता बिंदयारानी देवी और युवा ओलंपिक चैंपियन जेरेमी लालरिनुंगा पदक हासिल करने में सफल रहे। बिंदयारानी ने महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में क्लीन एंव जर्क वर्ग के साथ अपने समग्र प्रयास के लिए दो रजत पदक अपने नाम किये। जेरेमी ने पुरुषों की 67 किग्रा स्नैच स्पर्धा में रजत पदक जीता। महाद्वीपीय और विश्व चैंपियनशिप में भारोत्तोलकों को स्नैच, क्लीन एंव जर्क और कुल भार के लिए अलग-अलग पदक दिये जाते है। ओलंपिक में हालांकि सिर्फ कुल भार के आधार पर ही पदक दिया जाता है। मौजूदा चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में शामिल है जहां तोक्यो खेलों की 14 की तुलना में भारोत्तोलन की 10 स्पर्धाएं होंगी।

हालांकि यह अतिरिक्त स्पर्धा है और इसे ओलंपिक में शामिल करना अनिवार्य नहीं है। ओलंपिक 2024 क्वालिफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक के लिए 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। उपरोक्त दोनों प्रतियोगिताओं के अलावा भारोत्तोलकों को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2023 ग्रांप्री एक, 2023 ग्रां प्री दो और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में तीन

प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होगा। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) क्वालिफिकेशन समय खत्म होने पर प्रत्येक वजन वर्ग में ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेटिंग जारी करेगा। अंतिम आकलन के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में भारोत्तोलन के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रयासों पर गौर किया जाएगा।

गुजरात में लापता 41 हजार महिलाओं को लेकर पुलिस का बड़ा खुलासा

अहमदाबाद।

गुजरात में 41 हजार से अधिक महिलाओं के लापता होने की खबर वायरल होने के बाद राज्य की पुलिस बड़ा खुलासा किया है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के हवाले से जारी खबर के मुताबिक गुजरात में पिछले पांच साल के भीतर 41 हजार से अधिक महिलाओं के लापता हुई हैं। गुजरात पुलिस ने एक ट्वीट कर इस खबर को आधी और गुमराह कराने वाली करार देते हुए स्पष्ट किया है कि वर्ष 2016 से 2020 के दौरान राज्य में 41621 महिलाएं लापता हुई थीं। लेकिन उसमें 3949। यानी 94.90 प्रतिशत महिलाएं मिल चुकी हैं और वे आज अपने परिवारों के साथ हैं। ये दोनों आंकड़े भी एनसीआरबी द्वारा जारी किए गए हैं, जिनकी जांच एनसीआरबी के पोर्टल पर की जा सकती है। गुजरात पुलिस ने ट्वीट में यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट की मार्गदर्शिका के मुताबिक स्थानीय पुलिस लापता व्यक्ति के मामलों की जांच करती है और राष्ट्रीय स्तर पर संकलन के अंतर्गत अन्य राज्य पुलिस द्वारा ट्रैंकिंग करने के लिए डेटा को समर्पित वेबसाइट को दिए जाते हैं। गौरतलब है कि गुजरात में खबर सामने आई थी, जिसमें कहा गया था कि राज्य में पिछले 5 साल में 40 हजार से महिलाएं लापता हो गईं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2016 में ।105, वर्ष 201। में ।।12, वर्ष 2018 में 9246, वर्ष 2019 में 9268 और 2020 में 8290 महिलाएं लापता हुई थीं। कुल मिलाकर पांच साल में लापता महिलाओं की संख्या 41621 पर पहुंच गई। इस खबर को गुजरात पुलिस ने आधी अधूरी और गुमराह करने वाली बताया और स्पष्ट किया 41621 लापता महिलाओं में से 3949। महिलाएं वापस मिल गई हैं और आज अपने परिवारों के साथ हैं।

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत, दुकान पर पेड़ की डालियां काटते समय हुआ हादसा

सूरत।

शहर के पांडेसरा के बाद मोटा वराछा क्षेत्र में बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब युवक अपने पान की दुकान पर पेड़ की डालियां काट रहा था, उस वक्त वहां से गुजरती बिजली का तार की चपेट में आ गया। बता दें कि बीते दिन लूम के कारखाने में काम करने वाले 28 वर्षीय युवक की भी बिजली का करंट लगने से मौत हो गई थी। दूसरी घटना सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र से सामने आई है। 34 वर्षीय आशीष पाठक नामक युवक अपने परिवार मोटा वराछा क्षेत्र में रहता था और गोल्डन चौराहे के निकट पान की दुकान चलाता था। आशीष की दुकान एक पेड़ के नीचे जिसकी डालियां दुकान की छत को छूती थी। दुकान की छत से बिजली की लाइन भी गुजरती है। छत को छूने वाली पेड़ की डालियां काटने के लिए आशीष दुकान की छत पर चढ़ा था। पेड़ की छंटाई के दौरान आशीष को दुकान के ऊपर से गुजरने वाली बिजली लाइन से करंट लगा और वह पेड़ पर ही लटक गया। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और तुरंत फायर ब्रिगेड व गुजरात विद्युत बोर्ड को जानकारी दी। कुछ ही देर में गुजरात विद्युत बोर्ड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और बिजली लाइन का पावर बंद कर दिया पेड़ से लटक रहे आशीष को नीचे उतारा। आशीष को नीचे उतारने के बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हांलाकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

गुजरात सरकार ने अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद स्टेशन पर दिनांक 08 मई 2023 को माननीय केबिनेट मंत्री गुजरात सरकार, श्री ऋषिकेश पटेल द्वारा माननीय महापौर अहमदाबाद, श्री किरीट परमार एवं माननीय विधायक श्री कौशिक जैन की उपस्थिती में ट्रेन संख्या 09421/09422 अहमदाबाद-दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर मण्डल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्री पवन कुमार सिंह, अन्य रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मण्डल रेल प्रवक्ता के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है-

• **ट्रेनसंख्या 09421/09422 अहमदाबाद:दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल-**

ट्रेन संख्या 09421 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल अहमदाबाद से प्रत्येक सोमवार को 16.10 बजे प्रस्थान कर बुधवार को 02.15 बजे दरभंगा पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 मई से 26 जून, 2023 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09422 दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल दरभंगा से प्रत्येक बुधवार को 05.30 बजे प्रस्थान कर गुरुवार को 18.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 मई से 28 जून, 2023 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, बांदीकुई जंक्शन, भरतपुर, अछनेरा जंक्शन, यमुना ब्रिज, टूंडला जंक्शन, इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, बैरगनिया, सीतामढ़ी और जनकपुर रोड स्टे,शनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर इकोनॉमिक, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। ट्रेन संख्या 09421 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है।

सूरत जिला के कामरेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुजरात प्रांत का प्रथम वर्ष संघ शिक्षा वर्ग का शुभारंभ

सूरत भूमि,
संवाददाता भरत चौधरी, सूरत।

व्यक्ति चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की दिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देशभर में कार्यरत है और प्रशिक्षण वर्गों में कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया चल रही है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुजरात के संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष का शिविर सूरत जिला के कामरेज SUV इंटरनेशनल स्कूल में प्रारंभ हुआ है। 7 से 28 मई तक यह संघ शिक्षा वर्ग चलेगा 20 दिवसीय वर्ग में स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण होगा।

संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष का उद्घाटन सत्र सुप्रसिद्ध भागवत कथाकार सत स्वामी श्री के द्वारा दीप प्राकट्य से शिविर और लगाए गए अद्भुत प्रदर्शनी का शुभारंभ किए, अपने उद्घाटन सत्र में आदरणीय कथाकार सत स्वामी जीने संघ का राष्ट्र चरित्र से व्यक्ति चरित्र का निर्मित कार्य की प्रशंसा करते हुए स्वयंसेवकों का त्याग समर्पण के प्रति देश का जागरण कर रहे हैं जिसे स्वामी जी संघ कार्य से प्रभावित हुए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुजरात प्रांत का 20 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष में वर्गा अधिकारी के तौर पर मनसुखभाई पन्ना और वर्ग कार्यवाह श्री जयंती भाई पटेल विशेष रुप से वर्ग की निरंतर जवाबदारी लेकर सिबिर मै प्रशिक्षण शिविर कार्य शेष रूप से जुड़े हुए हैं।

सूरत को IT hub बनाने और IT उद्यमियों को आगे ले जाने के लिए "Beyond the Boundaries" कार्यक्रम आयोजित किया गया था

सूरत भूमि- सूरत को IT hub बनाने और IT उद्यमियों को आगे ले जाने के लिए "Beyond the Boundaries" कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां कार्यक्रम के दौरान 1200 से अधिक युवा उद्यमी मौजूद थे। टेक्सटाइल और डायमंड सेक्टर के साथ सूरत शहर को आईटी सेक्टर में आगे ले जाने के लिए Chetan Patel World के सहयोग से Creative Multimedia and Design Institute द्वारा मंगलवार को Beyond the Boundaries प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में IT उद्यमियों को मार्गदर्शन प्रदान किया कि व्यवसाय में कैसे आगे बढ़ना है और वर्तमान चुनौतियों का सामना कैसे करना है। IT Park FIFAD डेवलपर्स द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में 14 Trees के सीईओ किरण देशपांडे मुख्य वक्ता थे, Integrity Coach चेतन पटेल अतिथि वक्ता थे।

इस कार्यक्रम में Dhiwise के सीईओ विशाल विरानी ने IT उद्यमियों से सवाल पूछे, 14 ट्रीज के सीईओ किरण देशपांडे ने अपने व्यवसाय के बारे में साझा किया और अपना व्यवसाय रुपये में बढ़ाया। इसे 400+ करोड़ तक ले जाने की अपनी सक्सेस स्टोरी बताई साथ ही eZee Technosys, Co-Founder विपुल कपूर ने भी योगदान दिया। साथ ही बिजनेस को आगे कैसे ले जाना है, इस पर भी मार्गदर्शन किया। भौतिक कुमार ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

पौष्टिक ट्विस्ट के साथ मनाएं मदर्स डे : सेहत से भरपूर और सोच-समझकर दिया जाने वाला उपहार है बादाम

मदर्स डे आने ही वाला है और अपनी मां को उनके प्रति प्यार और लगाव दिखाने का इससे बेहतर तरीका आपकी जिंदगी में क्या हो सकता है कि आप उन्हें कुछ ऐसा तोहफा दें, जो उनकी सेहत और तंदुरुस्ती को बढ़ाने के साथ-साथ उनके रहन-सहन को भी बेहतर बनाएं। इस साल अपनी मां को बादाम का तोहफा देने पर विचार करें। यह बेहद लजीज और पौष्टिकता से भरपूर आहार है, जो न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि अच्छी सेहत के गुणों से भरपूर है।

बादाम एक बहुपयोगी मेवा (नट) है, जो सेहत को होने वाले कई तरह लाभ के साथ सदियों से भारतीय परंपरा का अंग है। यह अनिवार्य पौष्टिक तत्वों का प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध स्रोत है, जिसमें प्रोटीन, स्वास्थ्यवर्धक फैट्स, फाइबर, विटामिन-ई और मैग्नीशियम है। यह पौष्टिक तत्व बादाम को संतुलित आहार में जोड़ने के लिए काफी बेहतरीन ड्राईफ्रूट बनाते हैं और उन माताओं को इसे उपहार देने के लिए सोचा-समझा विकल्प बनाते हैं, जो अपने बच्चों और परिवार के बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर रहन-सहन को प्राथमिकता देती हैं।

मदर्स डे पर मां को उपहार में देने के लिए, बादाम एक परफेक्ट गिफ्ट इसलिए है क्योंकि इसमें दिल की सेहत को अच्छी बनाए रखने की क्षमता है। अध्ययन में यह दिखाया गया है। बादाम एलडीएल (कम घनत्व के लिपोप्रोटीन) और कोलेस्ट्रोल जिसे आमतौर पर 'ब्वैडड' कोलेस्ट्रोल कहा जाता है और जो दिल की बीमारियों के जोखिम का प्रमुख कारक है, कम रखने में मदद करता है। इसके साथ ही बादाम से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद है। इससे वजन को नियंत्रण में रखा जा सकता है। इससे त्वचा की सेहत भी अच्छी रहती है।

कामकाजी या हमेशा व्यस्त रहने वाली माताओं के लिए, बादाम एक सुविधाजनक और उन्हें संतुष्ट करने वाले स्नैक्स हैं। इसे कहीं भी आसानी से ले जाया जा सकता है। इसके लिए किसी तरह की तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती। इसे केवल स्नैक्स के रूप में अकेले भी खाया जा सकता है या तरह-तरह के व्यंजन बनाने में भी इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसे सलाद के ऊपर छिड़का जा सकता है, क्रीमी बादाम का मक्खन में मिलाया जा सकता है। इसे किसी चीज को सेंकने में इस्तेमाल किया जा सकता है। बादाम किसी भी भोजन या स्नैक्स को स्वादिष्ट और पौष्टिक तत्वों से भरपूर बनाते हैं। इसके अलावा बादाम पौधे से प्राप्त होने वाले प्रोटीन को हासिल करने का बेहतरीन प्राकृतिक स्रोत है, जो इसे शाकाहारी या प्लोट-बेस्ड डाइट लेने वाली माताओं के लिए, एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प बनाता है। पौष्टिकता के गुणों के अलावा बादाम को कई रचनात्मक तरीकों से पेश किया जा सकता है। इसे खूबसूरती से डिजाइन किए गए बॉक्स में रखकर दिया जा सकता है। या इसके साथ ही व्यक्तिगत रेसिपी की बुक भी दी जा सकती है, जिसमें बादाम से बनने वाले व्यंजनों को बनाने की विधि हो। बादाम को उपहार के रूप में देना यह दिखाता है कि आप इसे हासिल करने वाले की अच्छी सेहत और तंदुरुस्ती का ख्याल रखते हैं। ये आपके मदर्स डे के उपहार में विचारशीलता और अनोखेपन को भी जोड़ता है।

सूरत उद्योग को प्रशिक्षण की ताकत मिली: आईडीटी ने एनएसडीसी के साथ उद्योग-संबंधित प्रशिक्षण के लिए गठबंधन किया

इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी (आईडीटी) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ गठबंधन करने का अहम फैसला लिया है दिल्ली में एनएसडीसी के कॉरपोरेट ऑफिस में इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी एवं एनएसडीसी का करार हुआ। इस अवसर आईडीटी के डायरेक्टर अंकिता गोयल, अनुपम गोयल, संजीवा सिंह एजीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सीएसआर एंड स्किल डेवलपमेंट फाइनेंसिंग एवं हनी पमनानी मैनेजर सीएसआर एंड स्किल डेवलपमेंट फाइनेंस मौजूद थे। इस पार्टनरशिप का मकसद शिक्षण एवं व्यावसायिक संस्थानों को उद्योगों के साथ मिलाकर उन्हें उचित प्रशिक्षण देना और उन्हें रोजगार के रूप में इस्तेमाल करना है। IDT और NSDC के बीच सहयोग का महत्वपूर्ण कदम, भारत में कौशल पारिस्थितिकी के विकास की दिशा में। इस साझेदारी के माध्यम से, दो संगठन साथ मिलकर विभिन्न उद्योगों में आवश्यक कौशलों की पहचान करेंगे और उम्मीदवारों को प्रासंगिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। NSDC ने कई NBFCs के साथ टाई अप किया है ताकि उन उम्मीदवारों को स्किल कोर्स की फीस अदा करने में असमर्थ न होने के बावजूद भी स्किल को उपलब्ध कराया जा सके। यह पहल उन सभी उम्मीदवारों के लिए स्किलिंग को उपलब्ध करना का लक्ष्य रखती है जो अपने आवश्यक क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं।

एनएसडीसी (NSDC) भी उन्नति के केंद्र स्थापित करने जा रहा है, जो छात्रों को उनके अध्ययन के क्षेत्र में सर्वोत्तम ज्ञान और परिचय प्रदान करेंगे। ये केंद्र छात्रों को उद्योग संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और उन्हें उनके संबंधित उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल लाभ देंगे।

"हम एनएसडीसी के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं ताकि हम भारत में एक मजबूत कामगार बना सकें। यह साझेदारी हमें हमारे छात्रों को उद्योग संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें उनकी करियर में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल लाभ देने की संभावना प्रदान करेगी," इस बारे में आईडीटी के निदेशक अनुपम गोयल ने कहा।

एनएसडीसी भारत में कौशल अंतर को पूरा करने और एक कुशल कार्यबल के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। "हम आईडीटी के साथ साझेदारी करके उन उम्मीदवारों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण और उनके अनुभव को अधिकतम मात्रा में देने के लिए खुश हैं," एनएसडीसी के सरकारी संबंध और उद्योग साझेदारी के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिवाद के प्रमुख पारुल महाजन ने कहा।

बजाज एलियांज लाइफ और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ग्रुप ने पेश किया टर्म लाइफप्लान ऑफर

नई दिल्ली ।

भारत के प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज एलियांज लाइफ ग्रुप टर्म लाइफ-एक नॉन-लिंक्ड नॉन-पार्टिसिपेटिंग ग्रुप टर्म इंश्योरेंस प्लान पेश किया है, जो भारत में पोस्ट पेमेंट्स बैंक ग्राहकों के लिए एक किफायती प्रोटेक्शन प्लान है। इससे ग्राहकों को छोटी राशि का भुगतान करके पर्याप्त लाइफ कवर के साथ अपनी बीमा सुरक्षा शुरू करने की सुविधा मिलती है, इससे उनके प्रियजनों को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा भी मिलती है।

इसके अलावा, बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर, जो आम तौर पर परिवार का कमाऊ सदस्य होता है, बजाज आलियांज लाइ ग्रुप टर्म लाइफ में किसी भी तत्काल खर्च को कवर करने के लिए एकमुश्त राशि प्राप्त करने के लिए नॉमिनी दिए जाने का भी प्रावधान है, ताकि परिवार को 5, 7 या 10 साल तक नियमित मासिक आय का भुगतान होता रहे।

बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस के इंस्टीट्यूशनल बिजनेस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर और हेड धीरज सहगल, ने कहा, 'लाइफ गोल्स' के रूप में हम अपने सभी ग्राहकों और उनके परिवारों को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने में मदद करने के लिए बेजोड़ पेशकश देने के लिए उत्सुक हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के साथ हमारी साझेदारी देश भर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने में मदद करती है। हमारी नई पेशकश बहुत बेहतरीन है क्योंकि यह उन परिवारों की मदद करने के लिए तैयार की गई है जो आईपीपीबी के साथ बैंकिंग करते हैं। उस वित्तीय कमी का सामना कोई भी कर सकता है, जो कमाने वाले की मृत्यु के कारण होती है। मुझे विश्वास है कि यह कम प्रीमियम और ज्यादा कवर अधिक ग्राहकों को अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए प्रेरित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उनके दुनिया में न होने पर भी उनके लाइफ गोल पूरे होते रहें।'

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के चीफ जनरल मैनेजर और चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर गुरशरण राय बंसल ने कहा, 'अपने वित्तीय और जीवन लक्ष्यों को बिना परेशानी पूरा करने के लिए जीवन बीमा सबसे आवश्यक वित्तीय उत्पादों में से एक है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक विभिन्न बचत, सुरक्षा और वार्षिकी उत्पादों के माध्यम से वंचित वर्गों को बीमा वितरित करने में सहायक रहा है। वित्तीय समावेशन के सरकार के मिशन के अनुरूप, हम बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नए ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस के माध्यम से अपने ग्राहकों के लिए जीवन बीमा की पेशकशों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ग्राहकों को किफायती जीवन बीमा प्रदान करता है और उनके कमाने वाले की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार को तत्काल और दीर्घकालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। बैंकिंग पहुंच बिंदुओं, ग्रामीण डाक सेवकों और डाकियों के हमारे गहरे और मजबूत नेटवर्क की मदद से, यह जीवन बीमा को दूर-दूर तक पहुंचाने में मदद करेगा और ग्राहकों को अपने वित्तीय और जीवन लक्ष्यों को समावेशी तरीके से प्रबंधित करने के काबिल बनाएगा।'

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)